✳Website : www.kalamlok.com✳

वर्ष - 09 अंक - 342

बक्सर, रविवार 26 अप्रैल 2026

कलम लोक

<7|

पृष्ठ - 8
मूल्य 2 रू.

"सब कुछ होने पर भी यदि मनुष्य के पास स्वास्थ्य नहीं, तो समझो उसके पास कुछ है ही नहीं।

अमेरिका-ईरान के बीच क्यों नहीं बन रही बात, दूसरी वार्ता भी फेल; ट्रंप बोले- किसके पास पावर, पता नहीं

वाशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिका और ईरान के बीच मध्य पूर्व के तनाव को कम करने के लिए पाकिस्तान की राजधानी इस्लामाबाद में होने वाली वार्ता पूरी तरह विफल हो गई है। शनिवार को ईरानी प्रतिनिधिमंडल के बिना किसी सीधी बातचीत के वापस लौटने के बाद, राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अपने दूतों की यात्रा रद्द कर दी और ईरान के नेतृत्व पर तीखा हमला बोला।

आपको बता दें कि शनिवार को ईरानी विदेश मंत्री अब्बास अराघची का प्रतिनिधिमंडल बिना किसी अमेरिकी अधिकारी से मिले इस्लामाबाद से रवाना हो गया। इसके जवाब में राष्ट्रपति ट्रंप ने अपने विशेष दूतों, स्टीव विटकॉफ और जारेड कुशनर की पाकिस्तान यात्रा रद्द कर दी। राष्ट्रपति ट्रंप ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'ट्रुथ सोशल' पर ईरान के आंतरिक हालातों पर सवाल उठाए। ट्रंप ने दावा किया कि ईरान के भीतर भारी अंतर्कलह और भ्रम की स्थिति है। उन्होंने लिखा, 'किसी को नहीं पता कि वहां प्रभारी कौन है, खुद उन्हें भी नहीं पता। हमारे पास सारे कार्ड्स हैं, उनके पास कुछ नहीं।'

ट्रंप ने फ्लोरिडा में संवाददाताओं से कहा कि उन्होंने विटकॉफ और कुशनर की यात्रा इसलिए रद्द की क्योंकि इसमें बहुत अधिक यात्रा और खर्च शामिल था और ईरान का शांति प्रस्ताव पर्याप्त नहीं था। उन्होंने तंज कसते हुए कहा, 'अगर वे बात करना चाहते हैं, तो उन्हें बस फोन करना होगा।' शुक्रवार को जब ईरानी विदेश मंत्री अब्बास अराघची इस्लामाबाद पहुंचे थे, तब उम्मीद जगी थी कि सीधी बातचीत होगी। उपराष्ट्रपति जेडी वेंस को भी स्टैंडबाय पर रखा गया था। लेकिन स्थिति बदल गई। अब्बास अराघची ने पाकिस्तान के साथ द्विपक्षीय बैठकों के बाद इस्लामाबाद छोड़ दिया। उन्होंने एक्स पर लिखा कि उन्होंने शांति के लिए एक व्यावहारिक रूपरेखा साझा की है, लेकिन उन्हें अभी भी संदेह है कि क्या अमेरिका कूटनीति को लेकर वास्तव में गंभीर है। ट्रंप ने दूतों को वापस बुलाते हुए कहा, 'अब बेकार की बातों के लिए कोई भी 18 घंटे की उड़ान नहीं भरेगा।' उन्होंने संकेत दिया कि ईरान ने यात्रा रद्द होने के बाद अपने प्रस्ताव में सुधार किया है, लेकिन वह अभी भी अमेरिकी शर्तों के अनुरूप नहीं है। आपको बता दें कि 11 और 12 अप्रैल को हुई 20 घंटे की वार्ता के विफल होने के बाद, दोनों देशों के बीच दो मुख्य मुद्दे युद्ध की वजह बने हुए हैं। अमेरिका ईरान के परमाणु संवर्धन को पूरी तरह रोकने की मांग कर रहा है। वहीं, स्ट्रेट ऑफ होर्मुज पर नियंत्रण को लेकर दोनों सेनाएं आमने-सामने हैं। अमेरिका ने होर्मुज में माइंस बिछाने वाली ईरानी नौकाओं को 'शूट एंड किल' का आदेश दे रखा है।

चारमीनार एक्सप्रेस में अचानक लगी आग, भट्टी की तरह जलने लगा कोच; मची अफरा-तफरी

भुवनगिरी (एजेंसी)। तेलंगाना के यदाद्री भुवनगिरी जिले में चारमीनार एक्स्प्रेस में अचानक आग लग गई। ट्रेन के एक कोच से अचानक तेज लपटें उठने लगीं। जानकारी के मुताबिक उस समय ट्रेन अलेर रेलवे स्टेशन के पास थी। सूत्रों का कहना है कि घटना के वक्त ट्रेन की रफ्तार ज्यादा नहीं थी। यह धीमी गति से आगे बढ़ रही थी। शुरुआती जानकारी के मुताबिक आग एस-5 कोच में लगी थी। इसेक बाद अफरा-तफरी मच गई और लोग बाहर निकलने लगे। किसी यात्री के हताहत होने की सूचना फिलहाल नहीं है।

सोशल मीडिया पर ट्रेन में आग लगने के वीडियो वायरल हो रहे हैं। इसमें देखा जा सकता है कि कोच से पहले धुआं उठता है और फिर आग की लपटें खिड़कियों से निकलने लगती है। थोड़ी ही देर में ट्रेन का कोच भट्ठी बन जाता है। चेन की खींचने की वजह से ट्रेन रुक गई। हालांकि कई यात्री ट्रेन रुकने से पहले ही बाहर कूद गए। ट्रेन की रफ्तार ज्यादा ना होने की वजह से बड़ा हादसा टल गया। आग लगने की वजह अब तक साफ नहीं हो पाई है। जानकारी के मुताबिक रेलवे के अधिकारी मौके पर पहुंचे हैं और जांच कर रहे हैं। इसके अलावा दमकल की गाड़ियों के प्रयास से आग को बुझा दिया गया है। जानकारों का कहना है कि शॉर्ट सर्किट की वजह से ट्रेन में आग लग सकती है।

यात्रियों में दहशत

कोच में आग लगने के बाद धुआं उठा तो यात्रियों में अफरा-तफरी मच गई। कुछ यात्रियों ने चेन खींच दी। वहीं ट्रेन रुकने से पहले ही कई यात्री खिड़कियों से कूदने लगे। बता दें कि कई बार ट्रेन की तेज गति इस तरह के हादसों को अधिक संगीन बना देती हैं। हालांकि ट्रेन रेलवे स्टेशन के ही पास थी और इसकी गति ज्यादा नहीं थी। इसलिए यह जल्दी रुक भी गई और आग बाकी के कोचों तक नहीं फैली।

नीति आयोग देश की नीति-निर्माण व्यवस्था का एक अहम स्तंभ बनकर उभरा: पीएम मोदी

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि नीति आयोग देश की नीति-निर्माण व्यवस्था का एक अहम स्तंभ बनकर उभरा है। यह सहकारी संघवाद को बढ़ावा देने, सुधारों को आगे बढ़ाने और ईज ऑफ लिविंग यानी जीवन की सुगमता को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। प्रधानमंत्री मोदी ने डॉ. अशोक कुमार लाहिड़ी को उपाध्यक्ष बनने की बधाई देते हुए और अन्य पूर्णकालिक सदस्यों को बधाई देते हुए कहा कि यह संस्था अलग-अलग क्षेत्रों में नवाचार और लंबे समय की रणनीति बनाने के लिए एक गतिशील मंच के रूप में काम कर रही है। पीएम मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट शेयर करते हुए लिखा, सरकार ने नीति आयोग का पुनर्गठन किया है। अशोक कुमार लाहिड़ी को उपाध्यक्ष बनने पर मेरी शुभकामनाएं। साथ ही राजीव गौबा, प्रो. के. वी. राजू, प्रो. गोबर्धन दास, प्रो. अभय करंदीकर और डॉ. एम. श्रीनिवास को भी पूर्णकालिक सदस्य बनने पर बधाई।

उन्होंने सभी को उनके कार्यकाल के लिए शुभकामनाएं देते हुए कहा कि वे प्रभावी और परिणाम देने वाला कार्यकाल पूरा करें। प्रधानमंत्री मोदी ने लाहिड़ी से मुलाकात भी की और उन्हें उपाध्यक्ष बनने पर बधाई दी। उन्होंने कहा कि अर्थशास्त्र और सार्वजनिक नीति में लाहिड़ी का अनुभव भारत में सुधारों को और मजबूत करेगा और विकसित भारत के लक्ष्य की दिशा में मदद करेगा। प्रधानमंत्री ने भरोसा जताया कि उनके प्रयास देश की नीति-निर्माण प्रक्रिया को और अधिक गतिशील बनाएंगे। अशोक कुमार लाहिड़ी, जो पश्चिम बंगाल विधानसभा में बालुरघाट का प्रतिनिधित्व करते हैं, अर्थशास्त्र के क्षेत्र में लंबा अनुभव रखते हैं। वे भारत सरकार के 12वें मुख्य आर्थिक सलाहकार रह चुके हैं और दिल्ली स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स, एशियाई विकास बैंक, बंधन बैंक और नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ पब्लिक फाइनेंस एंड पॉलिसी जैसे संस्थानों में काम कर चुके हैं। इसके अलावा, उन्हें विश्व बैंक और अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष के साथ काम करने का भी अनुभव है।

टेबल के नीचे छिपे ट्रंप, मेलानिया भी डर गईं; सीक्रेट सर्विस ने कैसे बचाई जान

वाशिंगटन डीसी (एजेंसी)। अमेरिका की राजधानी वाशिंगटन डीसी में शनिवार रात आयोजित वाइट हाउस कॉरेस्पोंडेंट्स डिनर के दौरान फायरिंग हुई। इस घटना के बाद वहां अफरातफरी की स्थिति मच गई। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और उपराष्ट्रपति जेडी वेंस की मौजूदगी में एक हमलावर ने गोलियां चला दी। इस घटना के तुरंत बाद सीक्रेट सर्विस के एजेंटों ने राष्ट्रपति ट्रंप और उपराष्ट्रपति वेंस को सुरक्षित स्थान पर पहुंचाया। गनीमत रही कि इस हमले में राष्ट्रपति ट्रंप पूरी तरह सुरक्षित हैं और उन्हें कोई चोट नहीं आई है।

वाशिंगटन हिल्टन होटल के बॉलरूम में जब यह वार्षिक कार्यक्रम शुरू ही हुआ था, तभी अचानक गोलियों की आवाज सुनाई दी। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, मेहमानों को वसंतकालीन सलाद परोसा जा चुका था और वेटर अगले कोर्स की तैयारी कर रहे थे, तभी सुरक्षाकर्मी चिल्लाते हुए हॉल के भीतर दाखिल हुए और सभी को नीचे झुकने का निर्देश दिया। हॉल में मौजूद पत्रकारों, मशहूर हस्तियों और राजनेताओं के बीच अफरा-तफरी मच गई। सफेद कोट और गाउन पहने मेहमान अपनी जान बचाने के लिए टेबल के नीचे छिप गए।

इस भगदड़ के दौरान मेजों पर रखी वाइन और गिलास गिर गए। सुरक्षा अधिकारियों ने चिल्लाते हुए कहा, 'रास्ते से हट जाइए सर!' और 'नीचे झुकें!' सीक्रेट सर्विस के एजेंट को जैसे ही जानकारी मिली की वह कार्यक्रम के मुख्य मंच पर पहुंचे। उस समय राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और उनकी पत्नी मंच पर मौजूद थी और एक सत्र प्रगति पर था। सीक्रेट सर्विस के एजेंटों ने तुरंत अलर्ट किया। इसके बाद ट्रंप और उनकी पत्नी को लेकर वहां से बाहर निकल गए।

ट्रंप ने दी शूटर के पकड़े जाने की जानकारी

इस घटना के लगभग 30 मिनट बाद डोनाल्ड ट्रंप ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'ट्रुथ सोशल' पर एक पोस्ट के जरिए स्थिति स्पष्ट की। उन्होंने बताया कि सुरक्षा बलों ने हमलावर को पकड़ लिया है। उन्होंने यह भी पुष्टि की कि वे और उपराष्ट्रपति जेडी वेंस पूरी तरह सुरक्षित हैं। कानून प्रवर्तन अधिकारियों के अनुसार, एक शूटर ने कार्यक्रम स्थल पर गोलियां चलाईं, जिसके बाद सुरक्षा घेरा तुरंत सक्रिय हो गया। होटल के भीतर और बाहर भारी संख्या में पुलिस बल और नेशनल गार्ड के जवानों को तैनात कर दिया गया है।

नीति आयोग के नए उपाध्यक्ष की पीएम मोदी से मुलाकात

नई दिल्ली (एजेंसी)। नीति आयोग के नए उपाध्यक्ष अशोक लाहिड़ी ने पद संभालने के एक दिन बाद शनिवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की. आयोग के उपाध्यक्ष के तौर पर लाहिड़ी की पीएम से यह पहली मुलाकात है.

ऐसे समय में जब भारत एक मुश्किल वैश्विक आर्थिक माहौल से जूझ रहा है, लाहिड़ी, जिन्हें शुक्रवार को सरकार के सबसे बड़े पॉलिसी थिंक टैंक का नया उपाध्यक्ष नियुक्त किया गया था. आज नई दिल्ली में उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ बैठक की, जिससे उनके कार्यकाल की शुरुआत का संकेत मिला. हालांकि बैठक में क्या कुछ हुआ इसकी कोई आधिकारिक जानकारी नहीं दी गई है.

आप सांसदों से मिलना चाहते थे केजरीवाल, सभी ने चर्चा से पहले ही पार्टी छोड़ी

नई दिल्ली (एजेंसी)। राघव चड्ढा समेत आम आदमी पार्टी (आप) के 3 राज्यसभा सांसदों ने बीते दिन पार्टी छोड़कर भाजपा का दामन थाम लिया। राघव का दावा है कि 4 और सांसद भाजपा में शामिल होंगे। अब खबर आई है कि बागी सांसदों को मनाने के लिए पार्टी प्रमुख अरविंद केजरीवाल ने उनसे चर्चा करना चाही थी। हालांकि, इससे पहले ही सभी सांसद भाजपा में शामिल हो गए। सूत्रों के हवाले से ये जानकारी दी है।

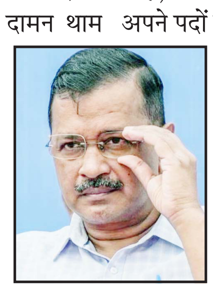

रिपोर्ट के मुताबिक, केजरीवाल ने अगले कार्यकाल में 6 में से कम से कम 5 नेताओं को टिकट देने का वादा किया था। हालांकि, उन्होंने शर्त रखी थी कि वे किसी कारण से खुश नहीं हैं, तो अभी पार्टी छोड़ सकते हैं। सूत्रों ने बताया कि केजरीवाल ने शुक्रवार शाम को चर्चा के लिए उन्हें अपने घर बुलाया था, लेकिन यह बैठक हो ही नहीं पाई, क्योंकि सांसदों ने शुक्रवार को ही पार्टी छोड़ने की घोषणा कर दी।

सूत्रों के अनुसार, केजरीवाल ने सांसदों से कहा, अगर आपको कोई आशंका है, तो आपको अपने पदों से इस्तीफा दे देना चाहिए और आपको अगले कार्यकाल में फिर से टिकट दिए जाएंगे। सूत्रों ने बताया कि केजरीवाल के साथ बैठक का बुलावा आने से पहले सांसदों ने पार्टी छोड़ने की योजना बनाने के लिए एक सामूहिक तौर पर कोई बैठक नहीं की थी। हालांकि, व्यक्तिगत रूप से सभी ने पार्टी छोड़ने का फैसला कर लिया था। रिपोर्ट के मुताबिक, बगावत की शुरुआत राघव की ओर से हुई थी, जब आप ने उन्हें राज्यसभा में उपनेता के पद से हटाया था। सूत्रों के हवाले से बताया कि इस घटनाक्रम के बाद राघव ने अन्य सांसदों से संपर्क साधा। इनमें से राघव, अशोक मित्तल और संदीप पाठक कल भाजपा में शामिल हो गए। राघव का कहना है कि स्वाति मालिवाल, हरभजन सिंह, विक्रमजीत साहनी और राजिंदर गुप्ता भी जल्द भाजपा में शामिल होंगे।

मणिपुर के उखरुल में गोलीबारी, 3 की मौत

नई दिल्ली (एजेंसी)। मणिपुर के उखरुल जिले में सुबह गोलीबारी की दो अलग-अलग घटनाओं में तीन लोगों की मौत हो गई। कुकी और नागा जनजातीय समुदायों के सशस्त्र समूहों के बीच झड़प में कई घरों को भी आग के हवाले कर दिया गया और महिलाओं सहित कम से कम पांच अन्य कुकी घायल हो गए। अधिकारियों के मुताबिक, पहली घटना जिले के मुल्लम गांव के पास हुई, जहां सुरक्षाबलों ने पूर्वाह्न करीब 11.25 बजे दो शव बरामद किए।

मृतकों की पहचान एल.सितल्हौ और पी.हाओलाई के रूप में हुई है। दोनों के शरीर पर गोलियों के निशान पाए गए और वे छलावरण (कैमोफ्लाज) वर्दी में थे।

पश्चिम बंगाल में पीडीएस घोटाले में ईडी ने 9 ठिकानों पर मारे छापे

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव के बीच प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की छापेमारी जारी है। ईडी ने कोलकाता समेत 9 जगहों पर छापा मारा है। ये कार्रवाई पश्चिम बंगाल में सार्वजनिक वितरण प्रणाली (पीडीएस) से जुड़े राशन घोटाले में की गई है। ये ठिकाने मुख्य रूप से आपूर्तिकर्ताओं और निर्यातकों से जुड़े हैं, जिनमें निरंजन चंद्र साहा का परिसर भी शामिल है। ईडी ने यह कार्रवाई धन शोधन निवारण अधिनियम के तहत की है।

ईडी की कोलकाता जोनल टीम ने कोलकाता, बर्धमान और हाबडा में 9 ठिकानों पर छापा मारा है। हाबड़ा में 3 चावल व्यापारियों के घरों पर छापा मारा गया है। इनके नाम सागर साहा, पार्थ साहा और राजीव साहा हैं। सागर साहा का आवास हाबड़ा के श्रीनगर, जबकि राजीव साहा और पार्थ साहा देशबंधु पार्क के पास सुभाष रोड पर रहते हैं। कुछ ठिकाने निरंजन चंद्र साहा और उससे जुड़े सप्लायर्स व एक्सपोर्टर्स से भी जुड़े हैं।

ईडी के अनुसार, यह मामला अक्टूबर 2020 में घोड़ाडांगा लैंड कस्टम स्टेशन पर तैनात डिप्टी कमिश्नर की शिकायत पर बशीरहाट पुलिस द्वारा दर्ज किया गया था। आरोप है कि सरकारी गेहूं को आपूर्तिकर्ताओं, लाइसेंस प्राप्त वितरकों, डीलरों और बिचौलियों की मिलीभगत से गायब किया गया और अवैध रूप से गोदामों में जमा कर दिया गया। गेहूं को एफसीआई के असली बोरों की जगह नए बोरों में भर दिया जाता था, फिर खुले बाजार में वैध माल बताकर बेचा जाता था।

1984 दिल्ली सिख दंगों के दोषी सज्जन कुमार की बड़ी मुश्किलें, सुप्रीम कोर्ट ने जमानत देने से किया इंकार

नई दिल्ली (एजेंसी)। 1984 दिल्ली सिख दंगों के दोषी कांग्रेस नेता सज्जन कुमार को सुप्रीम कोर्ट से बड़ा झटका लगा है। सुप्रीम कोर्ट ने सज्जन कुमार को जमानत देने से इनकार कर दिया है।

सज्जन कुमार की ओर से कोर्ट में दलील दी गई कि वह पिछले 7 साल 4 महीने से जेल में है। उनकी पत्नी गंभीर रूप से बीमार है और चल-फिर नहीं सकती हैं, वह अपनी पत्नी से एक बार भी नहीं मिल पाया है। सुप्रीम कोर्ट ने फिलहाल जमानत देने से इनकार करते हुए मामले की अगली सुनवाई जुलाई के लिए तय की है। दिल्ली हाईकोर्ट ने 2013 में सज्जन कुमार को निचली अदालत द्वारा बरी किए जाने के फैसले को पलट दिया था।

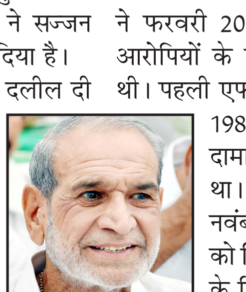

इससे पहले, 1984 के सिख विरोधी दंगों से जुड़े जनकपुरी, विकासपुरी हिंसा मामले में राउज एवेन्यू कोर्ट ने सज्जन कुमार को बरी कर दिया था। इस हिंसा में दो लोगों की मौत हो गई थी। इस मामले के फिर से उजागर होने के बाद एसआईटी ने फरवरी 2015 में सज्जन कुमार और अन्य आरोपियों के खिलाफ दो एफआईआर दर्ज की थी। पहली एफआईआर जनकपुरी में एक नवंबर 1984 को सरदार सोहन सिंह और उनके दामाद अवतार सिंह की हत्या से जुड़ा था। दूसरी एफआईआर जनकपुरी में 2 नवंबर 1984 को सरदार गुरचरण सिंह को जिंदा जलाकर मार डालने की वारदात के लिए दर्ज की गई थी।

इन मामलों में 7 जुलाई 2025 को दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट में कांग्रेस के पूर्व सांसद सज्जन कुमार ने अपना बयान दर्ज कराया था। उन्होंने कहा था कि वह कभी भी 1984 के सिख विरोधी दंगों में शामिल नहीं थे, उनके खिलाफ कोई सबूत नहीं है। जांच एजेंसी पर उन्होंने निष्पक्ष जांच नहीं करने का आरोप लगाया था।

दीदी जाने वाली हैं, बीजेपी आने वाली है', अमित शाह का दावा

पहले चरण की 152 सीटों में से 110 सीटें जीतेगी पार्टी

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल में पहले चरण की वोटिंग के बाद केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने दावा किया है कि पश्चिम बंगाल में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की सरकार बनने जा रही है। कोलकाता में प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान अमित शाह ने कहा कि 152 सीटों में से भाजपा 110 से अधिक सीटें जीतेगी।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया कि भाजपा की बंगाल टीम ने अपना आकलन किया है। इसके आधार पर वे कह सकते हैं कि 152 सीटों में से भाजपा के 110 से अधिक सीटें जीतने की संभावना है। उन्होंने कहा कि दूसरे चरण को भी ध्यान में रखते हुए भाजपा बंगाल में सरकार बनाने जा रही है।

बंगाल में रिकॉर्ड मतदान को लेकर अमित शाह ने कहा कि गुरुवार को बंगाल विधानसभा 2026 के चुनाव के प्रथम चरण में मतदान के सभी रिकॉर्ड तोड़ते हुए बंगाल की जनता ने अभूतपूर्व उत्साह और जोश के साथ बंगाल में परिवर्तन के लिए वोट डाला है। उन्होंने कहा, मतदान का जो प्रतिशत सामने आया है, वो पूरे देश के लोकतंत्र में भरोसा करने वाले लोगों का उत्साह बढ़ाने वाला है। मैं प्रथम चरण में वोट डालने वाले बंगाल के सभी मतदाताओं का अभिनंदन और धन्यवाद करना चाहता हूं कि आपने भय से भरोसे की यात्रा को बहुत अच्छे से शुरू किया है और दूसरे चरण के मतदाता भी भय से भरोसे की यात्रा को आगे बढ़ाएंगे।

बंगाल की जनता के नाम संदेश में अमित साह ने कहा, देश का एक बहुत बड़ा हिस्सा पीएम नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में विकसित भारत की यात्रा से जुड़ चुका है। आपका प्यार, आपका उत्साह और आपका भरोसा, पूरे प्रचार अभियान में नरेंद्र मोदी जी के लिए सामने से दिखाई दे रहा है। मैं मानता हूं कि ये भरोसा वोट में परिवर्तित होकर भाजपा की विजय कराएगा।

अमित शाह ने पश्चिम बंगाल की सीएम ममता बनर्जी पर भी निशाना साधा। उन्होंने कहा, जिस राज्य में मुख्यमंत्री यह कहती हैं कि महिलाओं को शाम 7 बजे के बाद बाहर निकलने की कोई जरूरत नहीं है, वहां उन्हें सत्ता में नहीं होना चाहिए। भाजपा की सरकार बनने के बाद, रात के 1 बजे भी एक युवा लड़की बेझिझक अपना स्कूटर चला पाएगी और किसी भी अपराधी की हिम्मत नहीं होगी कि वह उसे बुरी नजर से देखे। उन्होंने आगे कहा, एक प्रतीकात्मक कदम के तौर पर, आरजी कर की पीड़ित की मां और संदेशखाली की पीड़ित को उम्मीदवार बनाया गया है।

बिहार के विश्वविद्यालयों में अब एआई की होगी क्लास, कब से शुरू होंगे हाइटेक कोर्स

पटना (संवाददाता)। बिहार की उच्च शिक्षा के क्षेत्र में एक नए युग की शुरुआत होने जा रही है। अब सूबे के छात्र केवल पारंपरिक विषयों की किताबी दुनिया तक सीमित नहीं रहेंगे, बल्कि वे आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस जैसी भविष्य की तकनीक में महारत हासिल करेंगे। राज्य सरकार के उच्च शिक्षा विभाग ने विश्वविद्यालयों में जुलाई सत्र से एआई और अन्य स्किल-बेस्ड कोर्सेज शुरू करने की तैयारी पूरी कर ली है। यह कदम राज्य के युवाओं के लिए न केवल आधुनिक शिक्षा के द्वार खोलेगा, बल्कि उनके लिए रोजगार की नई राहें भी प्रशस्त करेगा।

इस योजना को जमीन पर उतारने के लिए शिक्षा विभाग ने दूरदर्शिता दिखाते हुए विधानसभा चुनाव से पहले ही राष्ट्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान (नाइलिट - NIELIT) के साथ एक महत्वपूर्ण समझौता किया था। इस करार के तहत नाइलिट के विशेषज्ञ सीधे विश्वविद्यालयों में जाकर छात्रों को ट्रेनिंग देंगे। विभाग फिलहाल इसके लिए 'मानक संचालन प्रक्रिया' तैयार कर रहा है, ताकि कोर्सेज का संचालन सुचारू रूप से किया जा सके।

इस पहल की सबसे खास बात इसकी लचीली व्यवस्था है। चॉइस बेस्ड क्रेडिट सिस्टम के तहत स्नातक की सामान्य पढ़ाई कर रहे छात्र भी इन तकनीकी कोर्सेज को चुन सकेंगे। यानी अब इतिहास या भूगोल पढ़ने वाला छात्र भी साथ में एआई या साइबर सुरक्षा की बारीकियां सीख सकेगा। नामांकन की प्रक्रिया पूरी तरह डिजिटल होगी और विश्वविद्यालयों के पोर्टल के माध्यम से छात्र अपनी पसंद के कोर्स में दाखिला ले सकेंगे। नाइलिट ने इन कोर्सेज को उद्योग की जरूरतों को ध्यान में रखकर डिजाइन किया है। कोर्सेज की अवधि 90 घंटे से लेकर 540 घंटे तक रखी गई है। पाठ्यक्रम में केवल एआई ही नहीं, बल्कि कई अन्य आधुनिक विषय भी शामिल हैं:

कोर्स पूरा होने के बाद छात्रों को सर्टिफिकेट तो मिलेगा ही, साथ ही नाइलिट के नेटवर्क के माध्यम से विभिन्न नामी कंपनियों में प्लेसमेंट के अवसर भी प्रदान किए जाएंगे। इससे बिहार के छात्रों का पलायन रुकेगा और उन्हें अपने ही राज्य में बेहतर करियर बनाने का मौका मिलेगा। योजना को प्रभावी ढंग से लागू करने के लिए उच्च शिक्षा विभाग ने कमर कस ली है। सभी विश्वविद्यालयों को निर्देश दिए

गए हैं कि वे जल्द से जल्द अपने यहां आवश्यक संसाधनों (जैसे कंप्यूटर लैब और हाई-स्पीड इंटरनेट) की व्यवस्था सुनिश्चित करें। साथ ही, बेहतर समन्वय के लिए हर विश्वविद्यालय में एक 'नोडल अधिकारी' नियुक्त करने को कहा गया है, जो नाइलिट के विशेषज्ञों और छात्रों के बीच एक सेतु का काम करेंगे। बिहार के विश्वविद्यालयों में होने वाला यह बदलाव शिक्षा जगत के लिए एक बड़ा 'गेम चेंजर' साबित हो सकता है। अब देखना यह है कि जुलाई से शुरू होने वाले इन कोर्सेज का लाभ उठाकर बिहार के युवा वैश्विक तकनीक की दौड़ में कितनी तेजी से आगे बढ़ते हैं।

मोकामा में गौशाला में सो रहे बुजुर्ग का गला रेता, बेगूसराय से आए पशुपालक की हत्या से सनसनी

मोकामा (संवाददाता)। बिहार में अपराधियों का दुस्साहस इस कदर बढ़ गया है कि अब सोते हुए बुजुर्ग भी सुरक्षित नहीं हैं। पटना जिले के मोकामा स्थित मरांची थाना क्षेत्र से एक सनसनीखेज वारदात सामने आई है, जहाँ कसहा दियारा पंचायत की एक गौशाला में सो रहे 70 वर्षीय बुजुर्ग बाल्मीकि निषाद की गला रेतकर बेरहमी से हत्या कर दी गई। शनिवार की सुबह जब परिजन गौशाला पहुँचे, तो वहाँ का नजारा देखकर उनके पैरों तले जमीन खिसक गई। बाल्मीकि निषाद का लहूलुहान शव उनकी खाट पर पड़ा था। इस घटना के बाद पूरे इलाके में दहशत और तनाव का माहौल है।

मृतक बाल्मीकि निषाद मूल रूप से बेगूसराय जिले के चकिया थाना अंतर्गत मल्हीपुर बिंद टोली के रहने वाले थे। वे पिछले कई सालों से कसहा दियारा के शिवनगर गांव स्थित गौशाला में रहकर पशुपालन और दूध बिक्री का काम करते थे। परिजनों के अनुसार, वे न केवल अपने पशुओं की सेवा करते थे, बल्कि दूसरे पशुपालकों से भी दूध एकत्र कर उसे बेचने का काम करते थे। गांव में उनकी छवि एक मेहनती और शांत व्यक्ति की थी, जिससे उनकी हत्या की खबर ने सबको हैरान कर दिया है। परिजनों का दावा है कि बाल्मीकि निषाद की किसी से कोई पुरानी रंजिश या दुश्मनी नहीं थी। शुक्रवार की रात भी वे रोज की तरह खाना खाकर अपनी गौशाला में सोने चले गए थे। इसी दौरान अज्ञात अपराधियों ने अंधेरे का फायदा उठाकर उन पर हमला किया और गला रेतकर उनकी जान ले ली। अपराधियों का मकसद क्या था- लूटपाट या कुछ और- यह अभी तक स्पष्ट नहीं हो पाया है।

बिहार होमगार्ड अधिनायक लिपिक भर्ती परीक्षा की तारीख तय

पटना (संवाददाता)। बिहार में सरकारी नौकरी की तैयारी कर रहे जवानों के लिए एक बड़ी और राहत भरी खबर सामने आई है। बिहार गृहरक्षा वाहिनी (होमगार्ड) सेवा संवर्ग में अधिनायक लिपिक के पदों पर भर्ती के लिए लिखित प्रतियोगिता परीक्षा का रास्ता साफ हो गया है। बिहार पुलिस अवर सेवा आयोग ने आधिकारिक तौर पर परीक्षा के कार्यक्रम का ऐलान कर दिया है। यह परीक्षा 20 मई 2026 को आयोजित की जाएगी। लंबे समय से इस परीक्षा का इंतजार कर रहे अभ्यर्थियों के लिए अब तैयारी को अंतिम रूप देने का वक्त आ गया है। आयोग की ओर से जारी सूचना के मुताबिक, यह परीक्षा पूरी तरह से पारदर्शी और कड़े सुरक्षा घेरे में आयोजित की जाएगी।

आयोग ने स्पष्ट किया है कि अधिनायक लिपिक पद के लिए होने वाली यह लिखित परीक्षा एक ही पाली में संपन्न होगी। परीक्षा का समय सुबह 10:00 बजे से दोपहर 12:00 बजे तक निर्धारित किया गया है। अभ्यर्थियों को सलाह दी गई है कि वे केंद्र पर रिपोर्टिंग टाइम का खास ख्याल रखें ताकि ऐन मौके पर किसी भी तरह की आपाधापी से बचा जा सके। अगर आप इस परीक्षा में शामिल होने जा रहे हैं, तो सबसे जरूरी बात यह है कि एडमिट कार्ड घर पर डाक से नहीं आएगा। आपको इसे खुद ऑनलाइन डाउनलोड करना होगा।

CUET PG में दो सगी बहनों ने गाड़े झंडे, एक को तीसरी तो दूसरी को मिली 5वीं रैंक

बक्सर (संवाददाता)। कहते हैं कि अगर हौसले बुलंद हों और इरादे नेक, तो कामयाबी कदम चूमती ही है। इस बात को सच कर दिखाया है बिहार के बक्सर जिले की दो सगी बहनों ने। बक्सर की इन दो बेटियों ने नेशनल टेस्टिंग एजेंसी द्वारा आयोजित सीयूईटी-पीजी की परीक्षा में अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाते हुए पूरे देश में जिले और प्रदेश का नाम रोशन कर दिया है। देर रात जब परीक्षा के परिणाम घोषित हुए, तो जिले के मित्र कॉलोनी इलाके में खुशी की लहर दौड़ गई।

इस प्रतिष्ठित परीक्षा में साक्षी मिश्रा ने पूरे भारत में तीसरा स्थान हासिल किया है, वहीं उनकी छोटी बहन सलोनी मिश्रा भी पीछे नहीं रहीं और उन्होंने देशभर में पांचवा स्थान प्राप्त किया है। एक ही घर की दो बेटियों की इस दोहरी सफलता ने न केवल उनके परिवार को गौरवान्वित किया है, बल्कि पूरे बिहार के लिए यह एक मिसाल बन गई है।

दोनों बहनें वर्तमान में देश के प्रतिष्ठित दिल्ली विश्वविद्यालय में अपनी पढ़ाई कर रही हैं। साक्षी मिश्रा दिल्ली के मशहूर दौलत राम कॉलेज की छात्रा हैं, जबकि सलोनी मिश्रा रामजस कॉलेज में पढ़ाई कर रही हैं। इन दोनों कॉलेजों की गिनती देश के बेहतरीन शिक्षण संस्थानों में होती है, और अब इन बेटियों ने अपनी रैंकिंग से यह साबित कर दिया है कि वे आने वाले समय में

और भी ऊंचे मुकाम हासिल करेंगी। साक्षी और सलोनी के पिता बजरंगी मिश्रा हैं, जो जनसुराज पार्टी के बक्सर जिलाध्यक्ष के रूप में सक्रिय हैं। अपनी बेटियों की इस कामयाबी पर गदगद बजरंगी मिश्रा ने बताया कि दोनों शुरू से ही पढ़ाई में काफी तेज रही हैं। उन्होंने कहा कि उनकी बेटियों ने कभी भी मेहनत से जी नहीं चुराया और आज उसी का फल है कि वे नेशनल लेवल पर टॉपर्स की लिस्ट में शामिल हैं।

बक्सर में जश्न का माहौल

जैसे ही यह खबर शहर में फैली, मित्र कॉलोनी स्थित उनके आवास पर बधाई देने वालों का तांता लग गया। स्थानीय लोगों का कहना है कि बक्सर की मिट्टी में हमेशा से प्रतिभा रही है, लेकिन इन दो बहनों ने एक साथ नेशनल रैंक लाकर यह दिखा दिया कि लड़कियां अगर ठान लें, तो आकाश की बुलंदियों को छू सकती हैं। सोशल मीडिया पर भी लोग दोनों बहनों की तस्वीर साझा कर उन्हें 'बिहार की शान' बता रहे हैं।

सलोनी का रहा है टॉपर्स से पुराना नाता : दिलचस्प बात यह है कि पांचवीं रैंक हासिल करने वाली सलोनी मिश्रा के लिए टॉपर बनना कोई नई बात नहीं है। इससे पहले उन्होंने उत्तर प्रदेश से 12वीं की परीक्षा दी थी, जिसमें उन्होंने पूरे प्रदेश में टॉप किया था। सलोनी की इस प्रतिभा के कायल उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भी रहे हैं। पिछले दिनों एक भव्य समारोह के दौरान सीएम योगी ने सलोनी को सम्मानित भी किया था। अब पीजी एंट्रेंस में उनकी इस सफलता ने उनके शैक्षणिक करियर में एक और सुनहरा अध्याय जोड़ दिया है।

मुझसे शादी करो..

बिहार में सरेराह छात्रा से छेड़खानी; एसिड अटैक की मिली धमकी

मुजफ्फरपुर (संवाददाता)। मुजफ्फरपुर जिले में छात्रा से छेड़खानी का मामला सामने आया है। अहियापुर के बाड़ा जगन्नाथ में नानी घर में रहकर पढ़ाई कर रही छात्रा के साथ स्कूल से लौटने के दौरान घेरकर युवक ने छेड़खानी की। उससे कहा कि मुझसे शादी करो। इस पर छात्रा ने विरोध किया तो शोहदे ने उसके चेहरे पर तेजाब फेंकने की धमकी दी। इसके बाद छात्रा का डर के कारण घर से निकलना मुश्किल हो गया है। छात्रा ने मामले में गरहां निवासी शिवकुमार नामक युवक के खिलाफ शनिवार को एफआईआर दर्ज कराई है।

उसने पुलिस को बताया है कि वह पढ़ाई के लिए बाड़ा जगन्नाथ में वह नानी के घर पर रह रही है। बीते गुरुवार को वह स्कूल से घर लौट रही थी। इस दौरान रास्ते में शिव और उसके चार मित्रों ने उसे घेर लिया। इसके बाद शिव ने कहा कि यदि उससे शादी नहीं की तो एसिड फेंक कर चेहरा को बर्बाद कर देगा। इसके साथ ही पूरे परिवार को खत्म करा देगा। छात्रा घर लौट आई। शुक्रवार से लगातार छात्रा को कॉल कर परेशान कर रहा है और धमकी दे रहा है। कह रहा है कि मुझसे मिलो नहीं तो जब कभी वह या उसका भाई रास्ते में दिखेगा तो मारकर पांव तोड़ देगा। अहियापुर थानेदार रोहन कुमार ने बताया कि एफआईआर दर्ज कर छानबीन की जा रही है।

पुलिस अफसर बता छात्रा से ठगी

मैं थाने का पुलिस अधिकारी बोल रहा हूं। तुमने एक लड़के से मोबाइल पर बात की हो। यदि रुपये नहीं भेजी तो उस बातचीत का ऑडियो वायरल कर दिया जाएगा। इस तरह खुद को थाने का अधिकारी बताकर बदमाश ने छात्रा को ब्लैकमेल कर उससे 63 हजार रुपये ठग लिए। यह मामला भी मुजफ्फरपुर के मोतीपुर थाना इलाके की छात्रा ने इस संबंध में मोतीपुर थाने में एफआईआर दर्ज कराई है। एफआईआर में उसने चार अलग-अलग मोबाइल नंबर के धारक को आरोपित किया है। कॉल करने वाले कथित पुलिस वाले को छात्रा ने स्कॉलरशिप में मिले रुपये भेजे। इसके बाद भी वह कॉल कर धमकाता रहा। तब उसने एक दोस्त से 29 हजार रुपये कर्ज लिए। छात्रा ने पुलिस को बताया है कि लगातार तीन दिनों तक ब्लैमेलर ने कॉल की। छात्रा कहती रही कि उसने किसी लड़के से कोई बात नहीं की है, फिर भी वह दबाव बनाता रहा कि एक बार ऑडियो वायरल हो गया तो इज्जत नहीं बचेगी। मोतीपुर थानेदार ने बताया कि एफआईआर दर्ज कर एसआई आशुतोष कुमार को केस का आईओ बनाया गया है।

5 लाख लो और बेटी दो.., मां के इनकार करने पर फायरिंग; भाई के सीने की हड्डी तोड़ी

मुजफ्फरपुर (संवाददाता)। बिहार में बदमाशों ने एक मां से कहा कि वो 5 लाख रुपये ले ले और अपनी बेटी उनके हवाले कर दे। मां ने जब इससे इनकार कर दिया तब बदमाशों ने जमकर बवाल भी मचाया। मामला मुजफ्फरपुर के साहेबगंज के बंगरा निजामत गांव का है। बताया जा रहा है कि यहां के एक हिस्ट्रीशीटर ने एक महिला पर पांच लाख लेकर बेटी से शादी कराने का दबाव बनाया। महिला नहीं मानी तो आरोपित ने उसके घर के सामने फायरिंग की। बेटी नहीं देने पर हत्या करने की धमकी भी दी गई।

इसके बाद डरी-सहमी महिला ने अपने भाइयों को बुलाया और आरोपित के घर भेजा। इससे आक्रोशित आरोपित ने उसके एक भाई से मारपीट की। उसके सीने की हड्डी तोड़ दी। मामले को लेकर महिला ने पहाड़पुर मनोरथ निवासी जयप्रकाश तिवारी के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई है। महिला ने पुलिस को बताया कि 15 अप्रैल को आरोपित ने उसे कॉल की। महिला के मुताबिक, आरोपित ने उनसे बोला कि पांच लाख रुपये ले लो और बेटी की शादी करा दो। महिला नहीं मानी तो अगले दिन तीन-चार लोगों के साथ वो स्कॉर्पियो से उनके घर पर पहुंचा। बेटी को जबरन उठाकर ले जाने का प्रयास किया गया। गांव के लोग जुटे तो सभी आरोपी फरार हो गए। महिला के मुताबिक, 18 अप्रैल को घर के सामने आरोपित आया और पिस्टल से पांच राउंड फायरिंग कर दी। साहेबगंज थानेदार ने बताया कि एफआईआर दर्ज कर मामले की छानबीन की जा रही है।

खेलों में समग्र विकास के लिए छत्तीसगढ़ तैयार : अरुण साव

भारत को खेल शक्ति बनाने केन्द्रीय युवा कार्य और खेल मंत्रालय तथा राज्यों व केन्द्रशासित प्रदेशों के बीच गंभीर मंथन

रायपुर।

राज्यों एवं केंद्र शासित प्रदेशों के खेल मंत्रियों का दो दिवसीय चिंतन शिविर श्रीनगर के शेर-ए-कश्मीर इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस सेंटर में प्रारंभ हुआ। इस राष्ट्रीय स्तर के महत्वपूर्ण आयोजन में केंद्रीय युवा कार्य और खेल मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया, राज्य मंत्री श्रीमती रक्षा निखिल खडसे, विभिन्न राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों के खेल मंत्री, वरिष्ठ अधिकारी एवं विशेषज्ञ शामिल हो रहे हैं।

छत्तीसगढ़ की ओर से उप मुख्यमंत्री तथा खेल एवं युवा कल्याण मंत्री श्री अरुण साव तथा खेल एवं युवा कल्याण विभाग के सचिव श्री यशवंत कुमार इस चिंतन शिविर में भागीदारी कर रहे हैं। उप मुख्यमंत्री श्री साव ने इस मौके पर कहा कि छत्तीसगढ़ खेलों के क्षेत्र में समग्र विकास के लिए प्रतिबद्ध है। छत्तीसगढ़ पूरे देश के साथ कंधे से कंधा मिलाकर आगे बढ़ेगा।

श्री साव ने बताया कि आज शिविर के पहले दिन केंद्रीय युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय के साथ देश में खेलों को नई दिशा देने पर मंथन किया गया। यह पहल न केवल नीतियों को मजबूत करेगी, बल्कि जमीनी स्तर पर प्रतिभाओं को आगे लाने का मार्ग भी प्रशस्त करेगी। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के विज़न के अनुरूप 2047 तक भारत को खेल महाशक्ति बनाने केंद्र सरकार और राज्य सरकारें एकजुट होकर कार्य कर रही हैं। छत्तीसगढ़ के हर गांव और हर शहर से नए खिलाड़ी उभरें और देश-विदेश के खेल मंचों पर अपना परचम लहराएं, यह हमारा लक्ष्य है।

26 अप्रैल तक चलने वाला यह शिविर देश में खेलों के समग्र विकास, नीति सुधार, वैश्विक स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन के लक्ष्य को हासिल करने और भारत को खेल शक्ति बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। केन्द्रीय युवा कार्य और खेल मंत्रालय द्वारा लगातार दूसरे वर्ष इस चिंतन शिविर का आयोजन किया गया है। चिंतन शिविर के पहले दिन के प्रमुख सत्रों में 'मेडल स्ट्रेटजी - खेलो इंडिया' पर गहन मंथन किया गया। विभिन्न राज्यों से प्राप्त सुझावों के आधार पर खेल प्रशिक्षकों के पोटेंशियल को विकसित करने पर सर्वसम्मति बनी। साथ ही वर्ष 2048 तक भारत को ओलंपिक पदक तालिका में शीर्ष 5 देशों में शामिल करने के रोडमैप पर व्यापक चर्चा हुई। इसमें स्पोर्ट्स साइंस के विस्तार एवं उसके प्रभावी उपयोग को खेल विकास का महत्वपूर्ण आधार माना गया। खेल मंत्रालय द्वारा इस पर निरंतर कार्य किया जा रहा है।

द्वितीय सत्र 'खेलो भारत नीति - केंद्र एवं राज्य समन्वय को सुदृढ़ करना' विषय पर आयोजित हुआ। इस सत्र में विभिन्न राज्यों के बेस्ट प्रेक्टिसेस को साझा किया गया। खिलाड़ियों को मिलने वाली प्रोत्साहन राशि के प्रभावी उपयोग, प्रतिभा पहचान तथा खेल अकादमियों के मानकीकरण पर विशेष बल दिया गया। सत्र के दौरान विद्यालय स्तर पर खेलों को सशक्त बनाने के लिए शारीरिक शिक्षा को अनिवार्य रूप से जोड़ने, खेल शिक्षकों की भर्ती एवं उन्हें उन्नत प्रशिक्षण प्रदान करने पर सहमति बनी। साथ ही खिलाड़ियों का समग्र डॉटा-बेस तैयार करने पर राज्यों एवं केंद्र द्वारा संयुक्त रूप से कार्य करने की आवश्यकता पर जोर दिया गया, ताकि प्रतिभाओं की सही पहचान सुनिश्चित हो सके।

इस सत्र में यह भी रेखांकित किया गया कि खिलाड़ियों को केवल नौकरी प्राप्त करने के उद्देश्य से नहीं, बल्कि देश के लिए पदक जीतने के लक्ष्य के साथ समर्पित होकर खेलना चाहिए। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को अधिक अवसर, सम्मान एवं आर्थिक लाभ प्राप्त होते हैं। साथ ही इस बात पर विशेष जोर दिया गया कि खिलाड़ियों के लिए ऐसी व्यवस्था (मॉडल) विकसित की जाए, जिससे वे नौकरी प्राप्त करने के बाद भी खेल जारी रखें और अपने खेल करियर को बीच में न छोड़ें। ग्रामीण क्षेत्रों में खेल संस्कृति विकसित करने, जमीनी स्तर पर सुविधाओं के विस्तार तथा बच्चों को अधिक समय खेल गतिविधियों में देने पर भी विशेष जोर दिया गया। साथ ही खेल अधोसंरचना के निर्माण में विशेषज्ञों की भागीदारी सुनिश्चित करने की आवश्यकता बताई गई।

तीसरे सत्र में डोपिंग एवं खेल नैतिकता पर गंभीर चर्चा हुई। खेलों में प्रतिबंधित दवाईयों के उपयोग पर कड़े नियम बनाने तथा डोपिंग को अपराध की श्रेणी में लाने के विषय पर केंद्र सरकार एवं खेल मंत्रालय की सख्त नीति को दोहराया गया। इस सत्र में ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता श्री अभिनव बिंद्रा ने खेलों में सुरक्षित एवं पेशेवर वातावरण सुनिश्चित करने तथा खिलाड़ियों की सुरक्षा के दृष्टिकोण से सेफ गॉर्डिंग ऑफिसर्स की संख्या बढ़ाने पर जोर दिया।

ग्रामीण अर्थव्यवस्था का मजबूत आधार स्तंभ हमारा पशुधन-राजेश अग्रवाल

रायपुर। पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री श्री राजेश अग्रवाल ने कहा कि मानव सभ्यता के आरंभ से ही पशु हमारे जीवन का अभिन्न अंग रहे हैं। उन्होंने कहा कि पशुओं का संरक्षण और संवर्धन न केवल हमारी सांस्कृतिक विरासत का आधार है, बल्कि यह ग्रामीण अर्थव्यवस्था की मजबूती का प्रमुख स्तंभ भी है। उन्होंने पशु चिकित्सकों को समाज के मूक प्राणियों का सच्चा संरक्षक' बताते हुए कहा कि उनकी सेवा, समर्पण और करुणा से न केवल पशुओं का जीवन सुरक्षित होता है, बल्कि यह मानवता के प्रति भी एक महान योगदान है। उन्होंने मूक प्राणियों, बेजुबान जानवरों, की सेवा और सुरक्षा में समर्पित पशु चिकित्सकों, पशु प्रेमियों और संस्थाओं की सराहना की।

विश्व पशु चिकित्सा दिवस के अवसर पर छत्तीसगढ़ राज्य पशु चिकित्सा सहायक शल्यज्ञ संघ द्वारा राजमोहिनी कृषि महाविद्यालय, अजिरमा (अम्बिकापुर) में आयोजित कार्यक्रम में प्रदेश के पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री श्री राजेश अग्रवाल मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। उन्होंने कार्यक्रम में पशु चिकित्सकों की महत्वपूर्ण भूमिका और उनके योगदान को सम्मानपूर्वक रेखांकित किया । अंबिकापुर में आयोजित कार्यक्रमों में पशुधन विकास विभाग द्वारा मूक प्राणियों के स्वास्थ्य, टीकाकरण और संरक्षण में उत्कृष्ट योगदान देने वाले पशु चिकित्सकों और क्षेत्र सहायकों को सम्मानित किया गया। मंत्री श्री अग्रवाल ने कहा कि आज के दौर में जब पशुपालन ग्रामीण आजीविका का महत्वपूर्ण साधन बन चुका है, तब पशु चिकित्सकों की जिम्मेदारी और भी बढ़ जाती है।

आत्मसम्मान और सुरक्षा का नया आधार बना-प्रधानमंत्री आवास योजना

रायपुर। प्रदेश में आर्थिक रूप से कमजोर होने के कारण पक्का मकान बनाने में असमर्थ परिवारों के लिए भारत सरकार प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत सहायता प्रदान करती है। यह योजना ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों में कच्चे घरों में रहने वाले या बेघर परिवारों को पक्का मकान बनाने के लिए वित्तीय सहायता देती है। प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के प्रभावी क्रियान्वयन में प्रदेश की साय सरकार आमजन के जीवन में ठोस बदलाव ला रही है। गौरेला-पेंड्रा-मरवाही जिले के गौरेला विकासखंड अंतर्गत ग्राम पंचायत लालपुर के निवासी श्री जमुना प्रसाद और उनकी पत्नी श्रीमती लालती की जीवनगाथा इस परिवर्तन का जीवंत उदाहरण है, जिन्होंने कच्चे और जर्जर मकान से पक्के, सुरक्षित घर तक का सफर तय किया है।

जमुना प्रसाद और उनकी पत्नी श्रीमती लालती का आज नया घर न केवल पक्की दीवारों और मजबूत छत से सुसज्जित है, बल्कि यह उनके आत्मसम्मान, सुरक्षा और बेहतर भविष्य का प्रतीक भी बन चुका है। जमुना और लालती का परिवार एक ऐसे कच्चे घर में रह रहा था, जहां हर मौसम उनके लिए चुनौती बनकर आता था। बरसात में टपकती छत, गर्मी में असहनीय तपिश और ठंड में ठिठुरन, इन सबके बीच उनका संघर्षपूर्ण जीवन व्यतीत हो रहा था। आर्थिक स्थिति कमजोर होने के कारण वे स्वयं पक्का मकान बनाने में असमर्थ थे, जिससे उनका सपना अधूरा ही नजर आ रहा था।

इसी बीच वर्ष 2024-25 में उन्हें प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के तहत पक्के मकान की स्वीकृति मिली और 1 लाख 20 हजार रुपए की सहायता राशि प्रदान की गई। साय सरकार की इस जनकल्याणकारी योजना ने उनके जीवन की दिशा ही बदल दी। शासन से मिली सहायता और अपनी सीमित बचत को जोड़कर उन्होंने घर निर्माण का कार्य शुरू किया। स्थानीय मजदूरों के सहयोग से कुछ ही महीनों में एक मजबूत और सुरक्षित पक्का मकान तैयार हो गया। अब उनका परिवार हर मौसम में सुरक्षित और सम्मानपूर्वक जीवन जी रहा है। जमुना और लालती गर्व से कहते हैं कि उनका यह घर उनके सपनों का साकार रूप है, जिसने उन्हें नई उम्मीद और आत्मविश्वास दिया है।

सुशासन की नई मिसाल : नारायणपुर के सबसे सुदूर 'लंका' गांव तक पहुंचा प्रशासन

रायपुर।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व और जिला प्रशासन के कुशल मार्गदर्शन में नारायणपुर जिला में विकास और सुशासन की एक नई इबारत लिखी जा रही है। जिले के ओरछा विकासखंड के सुदूर और दुर्गम छोर पर स्थित लंका गांव में दो दिवसीय विशेष शिविर का आयोजन कर प्रशासन ने यह सिद्ध कर दिया कि विकास की किरणें अब अंतिम व्यक्ति तक पहुंच रही हैं।

जिला मुख्यालय से लगभग 130 किलोमीटर दूर और इन्द्रावती नदी के किनारे बसा लंका गांव, जो कभी नक्सल प्रभावित क्षेत्र माना जाता था, वहां आजादी के बाद पहली बार जिला स्तरीय प्रशासनिक शिविर का आयोजन किया गया। जिला प्रशासन की टीम ने नदी-नालों और पहाड़ों के कठिन रास्तों को पार कर ग्रामीणों तक पहुंचकर उनकी समस्याओं को न केवल सुना, बल्कि मौके पर ही उनका समाधान भी किया।

इस शिविर में सबसे बड़ा आकर्षण 'सुशासन एक्सप्रेस' रही। वाई-फाई युक्त इस मोबाइल सेवा वाहन ने ग्रामीणों की तकनीकी बाधाओं को दूर कर दिया। इस वाहन के माध्यम से तत्काल आधार कार्ड, जाति, निवास और आय प्रमाण पत्र सहित 27 प्रकार के आवश्यक दस्तावेज मौके पर ही तैयार किए गए। इससे ग्रामीणों को छोटे-छोटे कार्यों के लिए बार-बार जिला मुख्यालय के चक्कर लगाने की मजबूरी से मुक्ति मिली। सुशासन एक्सप्रेस के माध्यम से अब तक कुल 17,520 आवेदनों का त्वरित निस्तारण कर रिकॉर्ड बनाया गया है।

दो दिवसीय शिविर में लंका सहित आसपास के पांच गांवों के ग्रामीणों ने बड़ी संख्या में भाग लिया। कुल 310 आवेदन प्राप्त हुए, जिनमें से 242 आवेदनों का मौके पर ही निराकरण कर दिया गया।

इस शिविर में प्रमुख रूप से प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि के 179, मनरेगा जॉब कार्ड के 34, राशन कार्ड के 25 और स्वास्थ्य विभाग से संबंधित 18 आवेदन प्रमुख रहे। शिविर में कलेक्टर नम्रता जैन ने कहा, 'नियद नेल्लानार योजना के तहत आयोजित ये शिविर अबूझमाड़ जैसे दुर्गम क्षेत्रों में शासन की मजबूत उपस्थिति का प्रमाण हैं। इससे न केवल ग्रामीणों का प्रशासन के प्रति विश्वास बढ़ा है, बल्कि विकास की मुख्यधारा से जुड़ने का उनका सपना भी साकार हो रहा है। आगामी 29 और 30 अप्रैल को शिविर का आयोजन आदनार में किया जाएगा। जिसमें मलमेटा, कोंजे और बोडुम के ग्रामीण लाभान्वित होंगे। सुशासन का यह कारवां निरंतर जारी रहेगा।

साय ने हज यात्रियों को वितरित किया फर्स्ट एड किटः सफल हज यात्रा के लिए शुभकामना देकर यात्रियों का किया स्वागत

रायपुर।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने छत्तीसगढ़ राज्य हज कमेटी द्वारा राजधानी रायपुर के मेडिकल कॉलेज स्थित अटल बिहारी वाजपेयी सभागार में आयोजित कार्यक्रम में हज यात्रियों को फर्स्टएड किट सौंपकर उनकी सुखद एवं सुरक्षित यात्रा की कामना की।

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने कहा कि यह सौभाग्य का विषय है कि रायगढ़ से सांसद रहने के समय से लेकर आज तक लगातार हज यात्रियों के स्वागत का अवसर मिल रहा है। उन्होंने बताया कि इस वर्ष प्रदेश से कुल 815 हज यात्री यात्रा पर जा रहे हैं और पहली बार स्वास्थ्य विभाग द्वारा यात्रियों को विशेष प्रशिक्षण दिया गया तथा मेडिकल किट भी उपलब्ध कराया गया है। मुख्यमंत्री ने यात्रियों से देश एवं प्रदेश की सुख-समृद्धि के लिए प्रार्थना करने का आग्रह करते हुए उनकी यात्रा की सफलता की कामना की।

सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने अपने संबोधन में कहा कि यह खुशी की बात है कि छत्तीसगढ़ के हज यात्रियों को यह पावन अवसर प्राप्त हो रहा है। उन्होंने यात्रियों से अपील की कि वे अपनी यात्रा सफलतापूर्वक पूर्ण कर प्रदेश और देश की खुशहाली के लिए दुआ करें। उन्होंने यह भी उल्लेख किया कि अब हज यात्रा के लिए लंबी प्रतीक्षा नहीं करनी पड़ती और अधिक लोगों को यह अवसर मिल रहा है, जो प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के प्रयासों से संभव हुआ है। कार्यक्रम को छत्तीसगढ़ राज्य हज कमेटी के अध्यक्ष मिर्जा एजाज बेग ने भी संबोधित किया और हज यात्रा से जुड़ी जानकारी साझा की। कार्यक्रम में अल्पसंख्यक आयोग के अध्यक्ष श्री अमरजीत छाबड़ा, दिव्यांगजन वित्त और विकास निगम के अध्यक्ष श्री लोकेश कांवड़िया एवं वक्फ बोर्ड के अध्यक्ष डॉ. सलीम राज और छत्तीसगढ़ राज्य हज कमेटी की सीईओ डॉ. खुशबू उस्मान समेत समाज के प्रबुद्धजन और प्रदेश भर से आए हज यात्री मौजूद थे।

संवेदनशील नेतृत्व का प्रभाव

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के निर्देश पर वृद्ध हितग्राही को मिली तत्काल राहत

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के संवेदनशील, सजग और जनकेंद्रित नेतृत्व का एक और सशक्त उदाहरण सामने आया है, जहाँ एक वृद्ध हितग्राही की समस्या पर त्वरित संज्ञान लेते हुए शासन ने तुरंत राहत सुनिश्चित की। मुख्यमंत्री के स्पष्ट निर्देश पर गरियाबंद जिले के फिंगेश्वर विकासखण्ड के ग्राम पथर्री निवासी श्री भीखलु राम ध्रुव को जिला प्रशासन की सक्रियता से बड़ी राहत मिली है।

मीडिया के माध्यम से प्रसारित एक खबर में यह जानकारी सामने आई थी कि श्री भीखलु राम ध्रुव लंबे समय से पेंशन और राशन जैसी बुनियादी सुविधाओं से वंचित थे। इस खबर को गंभीरता से लेते हुए मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने बिना विलंब किए तत्काल संज्ञान लिया और जिला प्रशासन को निर्देशित किया कि संबंधित हितग्राही को शीघ्र लाभ उपलब्ध कराया जाए। मुख्यमंत्री के निर्देश मिलते ही प्रशासनिक अमला सक्रिय हो गया और प्राथमिकता के आधार पर कार्रवाई शुरू की गई।

मुख्यमंत्री के निर्देशों के अनुरूप कलेक्टर श्री बीएस उइके ने स्वयं मामले की जानकारी ली और संबंधित विभागीय अधिकारियों को तत्काल समाधान सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। जांच में यह तथ्य सामने आया कि श्री भीखलु राम ध्रुव का ई-केवाईसी किसी कारणवश लंबित था, जिसके कारण उन्हें योजनाओं का लाभ नहीं मिल पा रहा था। प्रशासन द्वारा तत्काल ई-केवाईसी की प्रक्रिया पूर्ण कराई गई, जिससे उन्हें पुनः शासकीय योजनाओं का लाभ मिलना प्रारंभ हो गया है। प्रशासन की तत्परता का परिणाम यह रहा कि श्री भीखलु राम ध्रुव को तीन माह की लंबित वृद्धावस्था पेंशन एकमुश्त प्रदान की गई।

वहीं खाद्य विभाग द्वारा भी संवेदनशीलता दिखाते हुए उनके घर पहुंचकर 01 क्विंटल चावल उपलब्ध कराया गया है। अब उन्हें नियमित रूप से उचित मूल्य की दुकान से राशन मिलना सुनिश्चित किया गया है। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के इस मानवीय और तत्पर हस्तक्षेप से राहत प्राप्त करने पर श्री भीखलु राम ध्रुव ने मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि पेंशन और राशन मिल जाने से मेरे जीवन में बड़ी राहत आई है। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय की यह संवेदनशीलता मेरे लिए बहुत मायने रखती है। अब मुझे भरोसा है कि सरकार हमारी चिंता करती है।

उल्लखेनीय है कि मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में शासन केवल योजनाएं बनाने तक सीमित नहीं है, बल्कि जमीनी स्तर पर प्रत्येक जरूरतमंद तक उनका लाभ समय पर पहुंचे, इसके लिए निरंतर सजग और प्रतिबद्ध है।

नासा के हबल टेलीस्कोप ने कैद की ट्राइफिड नेबुला की शानदार तस्वीर, दिखाई 5 हजार प्रकाश वर्ष दूर ब्रह्मांड की झलक

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिकी स्पेस एजेंसी नासा के हबल स्पेस टेलीस्कोप ने तारों के निर्माण वाले क्षेत्र ट्राइफिड नेबुला की एक आकर्षक नई तस्वीर जारी की है। यह तस्वीर हबल के लॉन्च की 36वीं वर्षगांठ (24 अप्रैल) के मौके पर सामने आई है। पृथ्वी से करीब 5 हजार प्रकाश वर्ष दूर स्थित यह नेबुला तारों के बनने और गैस-धूल को आकार देने का अद्भुत नजारा पेश करता है।

यह नई तस्वीर न केवल देखने में आकर्षक है, बल्कि यह ब्रह्मांड में हो रही जटिल प्रक्रियाओं को समझने में भी अहम भूमिका निभाती है। हबल का यह मिशन लगातार वैज्ञानिकों को नई जानकारी दे रहा है और अंतरिक्ष के अनसुलझे रहस्यों को सुलझाने में मदद कर रहा है। वैज्ञानिकों के अनुसार, इस नेबुला में शक्तिशाली तारे अपने आसपास मौजूद गैस और धूल को प्रभावित करते हैं। उनकी तेज हवाएं और ऊर्जा इन बादलों को धकेलती है, जिससे नए तारों का निर्माण होता है। हबल द्वारा ली गई यह तस्वीर इस पूरी प्रक्रिया को बारीकी से दिखाती है, जिससे खगोलविदों को यह समझने में मदद मिलती है कि समय के साथ तारा निर्माण कैसे विकसित होता है।

इस तस्वीर में एक अनोखा दृश्य दिखाई देता है, जिसे वैज्ञानिक 'कॉस्मिक सी लेमन' जैसा रूप बताते हैं। यह संरचना गैस और धूल के बादलों से बनी है, जो देखने में किसी समुद्री जीव जैसी लगती है। इसके भीतर कई युवा तारे बन रहे हैं, जिनमें से कुछ अपने आसपास जेट के रूप में ऊर्जा छोड़ रहे हैं। ये जेट प्लाज्मा की धाराओं के रूप में बाहर निकलते हैं और आसपास के वातावरण को प्रभावित करते हैं।

हबल ने पहले भी वर्ष 1997 में इस नेबुला का अवलोकन किया था। अब करीब तीन दशक बाद फिर से उसी क्षेत्र की तस्वीर लेकर वैज्ञानिकों को तुलना का अवसर मिला है। इससे यह पता चलता है कि इतने लंबे समय में इस क्षेत्र में क्या बदलाव आए हैं। नई तकनीक और उन्नत कैमरों की मदद से इस बार अधिक स्पष्ट और विस्तृत तस्वीर सामने आई है। तस्वीर में अलग-अलग रंग भी महत्वपूर्ण जानकारी देते हैं। नीले रंग वाले हिस्से अपेक्षाकृत साफ हैं, जहां बड़े तारों की पराबैंगनी रोशनी ने गैस को आयनित कर दिया है। वहीं गहरे भूरे और काले क्षेत्र घनी धूल को दर्शाते हैं, जहां अभी भी तारे बन रहे हैं और जो सामान्य रोशनी में दिखाई नहीं देते।

इस नेबुला में कई प्रोटोस्टार यानी नवजात तारे मौजूद हैं, जो अभी पूरी तरह विकसित नहीं हुए हैं। कुछ स्थानों पर जेट और गैस की धाराएं यह संकेत देती हैं कि ये तारे अपने आसपास ऊर्जा छोड़ रहे हैं। इससे वैज्ञानिक यह समझ पाते हैं कि नए तारे अपने वातावरण के साथ किस तरह से प्रतिक्रिया करते हैं।

तस्वीर के एक हिस्से में घनी धूल के कारण लगभग अंधेरा दिखाई देता है। वैज्ञानिकों का मानना है कि यहां दिखने वाले कुछ तारे वास्तव में इस नेबुला का हिस्सा नहीं हैं, बल्कि पृथ्वी के अपेक्षाकृत करीब मौजूद हो सकते हैं। वहीं, कुछ चमकीले नारंगी रंग के तारे ऐसे हैं, जो पूरी तरह विकसित हो चुके हैं और उन्होंने अपने आसपास की धूल को साफ कर दिया है। वैज्ञानिकों का कहना है कि आने वाले लाखों वर्षों में इस नेबुला की गैस और धूल धीरे-धीरे समाप्त हो जाएगी और यहां केवल तारे ही बचेंगे। हबल टेलीस्कोप की लंबी उम्र और उन्नत तकनीक की वजह से इस तरह के अवलोकन संभव हो पाए हैं।

सपा सरकार बनी तो 300 यूनिट मुफ्त बिजली, महिलाओं को 40 हजार वार्षिक पेंशन : अखिलेश यादव

लखनऊ (एजेंसी)।

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने बड़ा चुनावी ऐलान करते हुए कहा कि वर्ष 2027 में प्रदेश में सपा की सरकार बनने पर उपभोक्ताओं को 300 यूनिट तक मुफ्त बिजली दी जाएगी, जबकि महिलाओं को सालाना 40 हजार रुपए पेंशन के रूप में प्रदान किए जाएंगे।

उन्होंने सरकार पर बिजली, स्वास्थ्य और महंगाई के मुद्दों पर तीखा हमला बोला। लखनऊ स्थित प्रदेश मुख्यालय में बुंदेलखंड समेत विभिन्न जिलों से आए कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए अखिलेश यादव ने कहा कि प्रदेश की जनता स्वास्थ्य सेवाओं की बदहाली और खाद की कमी से जूझ रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि स्मार्ट मीटर के नाम पर उपभोक्ताओं का शोषण किया जा रहा है और बिजली बिलों में अनियमित बढ़ोतरी की जा रही है।

सपा मुखिया ने कहा कि स्मार्ट मीटर के जरिए बिजली की ठगी के खिलाफ जनता में गुस्सा बढ़ता जा रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि इस सरकार में ठेके देने से पहले ही कंपनियों से एडवांस कमीशन लिया जाता है, जिसकी भरपाई उपभोक्ताओं से अधिक बिल वसूलकर की जाती है।

अखिलेश यादव ने भाजपा पर निशाना साधते हुए कहा कि बिजली मीटर भी ईवीएम की तरह 'हेराफेरी' कर रहे हैं और जनता अब इस व्यवस्था को समझ चुकी है। उन्होंने कहा कि महंगी बिजली और गैस सिलेंडर ही भाजपा का सत्ता से 'कनेक्शन काट देंगे'। उन्होंने 2024 लोकसभा चुनाव के परिणाम का जिक्र करते हुए कहा कि उसी तरह 2027 विधानसभा चुनाव में भी अधिक से अधिक सीटें जीतने की रणनीति बनानी होगी। कार्यकर्ताओं से एकजुट होकर भाजपा को हराने का आह्वान करते हुए उन्होंने कहा कि हर सीट पर जीत सुनिश्चित करने के लिए ठोस रणनीति पर काम करना होगा।

उन्होंने सरकार को लोकतंत्र और संविधान विरोधी बताते हुए कहा कि प्रदेश की स्वास्थ्य, शिक्षा और बिजली व्यवस्था पूरी तरह चरमरा चुकी है। उन्होंने दावा किया कि सपा सरकार बनने पर कानून का राज बहाल होगा और सपा सभी वर्गों को न्याय मिलेगा। उन्होंने भाजपा पर समाजवादियों को बदनाम करने का आरोप भी लगाया और कहा कि भ्रामक प्रचार के बावजूद भाजपा की कोई चालाकी नहीं चलेगी। प्रदेश की जनता भाजपा से त्रस्त हो चुकी है और बदलाव चाहती है। उन्होंने कहा कि महंगाई और भ्रष्टाचार चरम पर हैं, महिलाओं की सुरक्षा की स्थिति चिंताजनक है और जनता का भरोसा भाजपा से उठ चुका है।

युवा परेशान, किसान हताश, उद्योग तबाह और तृणमूल तुष्टीकरण में व्यस्त : योगी

पश्चिमी मेदिनीपुर (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने ममता सरकार पर तीखा प्रहार करते हुए कहा कि बंगाल में युवा परेशान हैं, किसान हताश हैं और उद्योग-धंधे ठप हो गए हैं, लेकिन तृणमूल कांग्रेस (तृणमूल) सरकार का ध्यान केवल तुष्टीकरण पर है। योगी ने चिलचिलाती धूप में भारतीय जनता पार्टी उम्मीदवारों के लिए प्रचार करते हुए कहा कि रेत, कोयला, ज़मीन और पशु माफिया बंगाल का शोषण कर रहे हैं, जबकि ममता दीदी को केवल 'जय श्री राम' के नारे से परेशानी होती है। उन्होंने आरोप लगाया कि त्योहारों से पहले अशांति फैलती है और जुलूसों पर पत्थरबाज़ी की जाती है।

उन्होंने वर्ष 2017 से पहले उत्तर प्रदेश की स्थिति का ज़िक्र करते हुए कहा, पहले 'जय श्री राम' का नारा लगाने पर लाठीचार्ज और यहाँ तक कि गोलीबारी भी होती थी, लेकिन अब भगवान राम के भक्तों का स्वागत किया जाता है। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश अब न कर्फ्यू न दंगा मॉडल पर चलता है, माफिया और गुंडागर्दी से मुक्त है, और अपराधियों के खिलाफ बुलडोज़र का इस्तेमाल किया जाता है।

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री ने पिंगला विधानसभा क्षेत्र में भाजपा उम्मीदवार के लिए प्रचार करते हुए कहा कि पिंगला का अर्थ भगवा है, और यहाँ की मिट्टी आध्यात्मिक परंपराओं का प्रतिनिधित्व करती है। उन्होंने बंगाल के किसानों की सराहना करते हुए कहा कि उनकी कड़ी मेहनत ने इस ज़मीन को सोना उगलने वाला बनाया है और देश का पेट भरा है। उन्होंने इस बात पर ज़ोर दिया कि भारत में पहली बार कोई आदिवासी महिला राष्ट्रपति बनी है। उन्होंने कांग्रेस, तृणमूल और इंडिया गठबंधन पर आरोप लगाया कि उन्होंने 60 से ज़्यादा वर्षों तक शासन किया, लेकिन अनुसूचित जातियों और जनजातियों के उत्थान के लिए कोई काम नहीं किया। साथ ही उन्होंने डॉ. बी.आर. अंबेडकर का अपमान करने और बंगाल में राष्ट्रपति प्रोटोकॉल का उल्लंघन करने का भी आरोप लगाया और कहा कि भारत की जनता इसे स्वीकार नहीं करेगी।

श्री योगी ने कहा, इन पार्टियों ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु के प्रति जैसा बर्ताव दिखाया, वैसा ही संसद सत्रों के दौरान भी देखने को मिला। उन्होंने आरोप लगाया कि जहाँ प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 2029 तक महिला आरक्षण अधिनियम लागू करना चाहते थे, वहीं इन पार्टियों ने इसे पारित होने में बाधा डाली। उन्होंने दावा किया कि महिलाओं, युवाओं, किसानों और गरीबों का अपमान करना इनकी आदत बन गई है। उन्होंने कहा कि अब लोग भ्रष्टाचार और दुराचार में डूबी सरकार को स्वीकार नहीं करेंगे। उन्होंने कहा कि बैरकपुर से उठी चिंगारी ने ही स्वतंत्रता के पहले संग्राम को प्रज्वलित किया था। इसी धरती पर राष्ट्रगीत और राष्ट्रगान की रचना हुई थी। स्वामी विवेकानंद, नेताजी सुभाष चंद्र बोस, गुरू रवींद्रनाथ टैगोर, बंकिम चंद्र चट्टोपाध्याय, रामकृष्ण परमहंस, लाहिड़ी महाशय, खुदीराम बोस और डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी जैसी महान विभूतियों के नाम लेते हुए उन्होंने कहा कि बंगाल ने ऐतिहासिक रूप से राष्ट्र को नेतृत्व प्रदान किया है और अब इसे तृणमूल की अराजकता से मुक्त कराया जाना चाहिए।

प्रेम प्रसंग के शक में कलयुगी पिता बना हैवान

नाबालिग बेटी का गला घोंट चेहरे पर डाला तेजाब और नहर में फेंका शव

लखनऊ (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ से रिश्तों को शर्मसार कर देने वाली एक रोंगटे खड़े कर देने वाली वारदात सामने आई है। यहां एक पिता ने प्रेम प्रसंग के शक में अपनी ही नाबालिग बेटी को बेरहमी से मौत के घाट उतार दिया। हत्या के बाद हैवान बने पिता ने बेटी की पहचान मिटाने के लिए उसके चेहरे पर तेजाब डाल दिया और शव को बाराबंकी की शारदा नहर में फेंक दिया। चिनहट थाना क्षेत्र से जुड़े इस खौफनाक हत्याकांड के खुलासे ने हर किसी को सन्न कर दिया है।

इस सनसनीखेज मामले में सबसे ज्यादा हैरान करने वाली बात यह रही कि कातिल पिता ने हत्या के बाद पुलिस को गुमराह करने की पूरी कोशिश की। आरोपी पिता ने खुद 16 अप्रैल को चिनहट थाने पहुंचकर अपनी बेटी के रहस्यमय तरीके से गायब होने की झूठी रिपोर्ट दर्ज कराई थी। लेकिन, पुलिस जांच के दौरान जब कड़ियां जुड़ने लगीं, तो पिता के बयानों में विरोधाभास नजर आया। पुलिस का शक गहराने पर जब उससे सख्ती से पूछताछ की गई, तो वह टूट गया और उसने अपना जुर्म कबूल कर लिया। आरोपी ने पुलिस को बताया कि वह 14 अप्रैल को बेटी को अपने साथ ले गया था और वहीं उसने इस वारदात को अंजाम दिया। चिनहट पुलिस ने इस जघन्य हत्याकांड में मुख्य आरोपी पिता विजय चौबे और इस खौफनाक साजिश में उसका साथ देने वाले उसके दोस्त अब्दुल मन्नान को गिरफ्तार कर लिया है। पूछताछ में आरोपी विजय ने बताया कि उसे शक था कि उसकी बेटी का किसी के साथ प्रेम प्रसंग चल रहा है, जिससे वह काफी नाराज था। इसी बात को लेकर उसने अपने दोस्त के साथ मिलकर बेटी की हत्या का पूरा प्लान तैयार किया। साजिश के तहत उन्होंने पहले एक गाड़ी किराए पर ली। इसके बाद वह झाड़-फूंक करवाने का बहाना बनाकर बेटी को सुल्तानपुर ले गया। रात में उन्होंने एक ढाबे पर खाना खाया और वहीं रुक गए। अगले दिन वापसी के दौरान वे काफी देर तक सड़कों पर गाड़ी घुमाते रहे और रात होने का इंतजार किया। रात करीब 1 से 2 बजे के बीच जब बेटी गाड़ी की पिछली सीट पर गहरी नींद में सो रही थी, तभी पिता ने उसका गला घोंटकर उसे मार डाला। आरोपी विजय चौबे ने पुलिस के सामने रूह कंपा देने वाला कबूलनामा देते हुए बताया कि वे हत्या के इरादे से अपने साथ तेजाब भी लेकर गए थे। हत्या करने के बाद, कोई उनकी बेटी की लाश की शिनाख्त न कर सके, इसलिए उन्होंने उसके चेहरे और मुंह पर तेजाब डाल दिया। इसके बाद उन्होंने शव को ले जाकर बाराबंकी से गुजरने वाली शारदा नहर में फेंक दिया और चुपचाप वापस लौट आए। पुलिस ने दोनों आरोपियों को हिरासत में ले लिया है।

केंद्र ने पेट्रोल-डीजल की कीमत बढ़ने वाली रिपोर्ट्स को किया खारिज

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्र सरकार ने उन रिपोर्ट्स को खारिज कर दिया, जिसमें दावा किया गया था कि वर्तमान में चल रहे विधानसभा चुनावों के बाद, देश में पेट्रोल-डीजल की कीमतों में 25-28 रुपए प्रति लीटर तक की बढ़ोतरी देखने को मिल सकती है। इसे फेक न्यूज बताते हुए पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट किया, कुछ मीडिया रिपोर्ट्स में पेट्रोल और डीजल की कीमतों में बढ़ोतरी की बात कही जा रही है।

यह स्पष्ट किया जाता है कि सरकार के समक्ष ऐसा कोई प्रस्ताव विचाराधीन नहीं है। इस तरह की खबरें नागरिकों में भय और दहशत पैदा करने के उद्देश्य से फैलाई जाती हैं और ये शरारतपूर्ण और भ्रामक होती हैं। पोस्ट में अंत में लिखा, भारत एकमात्र ऐसा देश है जहां पिछले चार वर्षों में पेट्रोल और डीजल की कीमतों में वृद्धि नहीं हुई है।

अटल पेंशन योजना (एपीवाई) ने रचा नया कीर्तिमान : कुल नामांकन 9 करोड़ के पार

नई दिल्ली (एजेंसी)। वित्त वर्ष 2025-26 के दौरान कुल नामांकन 1.35 करोड़ ग्राहकों को पार कर गया, जो योजना की शुरुआत के बाद से किसी एक वित्तीय वर्ष में दर्ज किया गया अब तक का सबसे अधिक नामांकन है भारत सरकार की एक प्रमुख सामाजिक सुरक्षा योजना, अटल पेंशन योजना (एपीवाई), जो पेंशन निधि विनियामक और विकास प्राधिकरण (पीएफआरडीए) द्वारा प्रशासित है, ने एक ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल करते हुए 9 करोड़ अभिदाताओं के कुल सकल नामांकन का आंकड़ा अप्रैल 21, 2026 तारीख़ को पार कर लिया है।

वित्त वर्ष 2025-26 के दौरान सकल नामांकन 1.35 करोड़ अभिदाताओं से अधिक हो गया है, जो कि योजना की शुरुआत से अब तक किसी एक वित्त वर्ष में दर्ज किया गया सर्वाधिक नामांकन है जो कि योजना की बढ़ती पहुंच और प्रभाव को दर्शाता है।

सभी भारतीयों के लिए एक सार्वभौमिक सामाजिक सुरक्षा प्रणाली स्थापित करने के उद्देश्य से दिनांक 9 मई, 2015 को प्रारंभ की गई एपीवाई एक स्वैच्छिक और अंशदायी पेंशन योजना है, जो विशेष रूप से गरीब, वंचित तथा असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों पर केंद्रित है। पिछले एक दशक में, इस योजना ने उल्लेखनीय प्रगति दर्ज की है, जो बैंकों (पीएसबी/आरआरबी/निजी बैंक/एसएफबी/सहकारी बैंक), राज्य स्तरीय बैंकर्स समिति (एसएलबीसी)/केंद्र शासित प्रदेश स्तरीय बैंकर्स समिति (यूटीएलबीसी)/लीड डिस्ट्रिक्ट मैनेजर (एलडीएम), डाक विभाग (डीओपी) के निरंतर प्रयासों तथा भारत सरकार के सतत सहयोग का परिणाम है। पीएफआरडीए ने भी जन-जागरूकता अभियानों, प्रशिक्षण कार्यक्रमों, बहुभाषी सामग्री, मीडिया प्रचार और नियमित समीक्षाओं के माध्यम से देश के सभी राज्यों और जिलों में योजना के विस्तार में सक्रिय भूमिका निभाई है। अटल पेंशन योजना को 'सम्पूर्ण सुरक्षा कवच' प्रदान करने के उद्देश्य से तैयार किया गया है, जिसके अंतर्गत निम्नलिखित त्रिस्तरीय लाभ सुनिश्चित किए जाते हैं :- प्रथम, 60 वर्ष की आयु के पश्चात ?1,000 से ?5,000 तक की गारंटीकृत मासिक पेंशन सुनिश्चित की जाती है ; द्वितीय, अभिदाता की मृत्यु के पश्चात उसके पति/पत्नी को समान पेंशन राशि मिलना जारी रहती है।

चुनावी हलफनामे में 100 करोड़ का झोल

मद्रास हाई कोर्ट के रडार पर विजय; इनकम टैक्स को जांच के आदेश

नई दिल्ली (एजेंसी)। तमिलनाडु विधानसभा चुनाव में अपनी राजनीतिक पारी की शुरुआत कर रहे मशहूर एक्टर विजय शुरुआत में ही बड़ी मुश्किलों में घिरते नजर आ रहे हैं। मद्रास हाई कोर्ट ने उनकी नवगठित पार्टी 'तमिलगा वेट्री कजगम' के प्रमुख विजय के चुनावी हलफनामे में 100 करोड़ रुपये से अधिक की भारी गड़बड़ी पकड़ी है। इस मामले की गंभीरता को देखते हुए अदालत ने सीधे इनकम टैक्स विभाग को नोटिस जारी कर जवाब तलब किया है। पहली बार चुनावी मैदान में उतरी विजय की पार्टी के लिए इसे एक बहुत बड़ा राजनीतिक और कानूनी झटका माना जा रहा है।

दरअसल, एक्टर विजय ने तमिलनाडु चुनाव के लिए दो अलग-अलग विधानसभा सीटों, त्रिची और पेरम्बूर से अपना नामांकन पत्र दाखिल किया था। विवाद तब शुरू हुआ जब पेरम्बूर के एक स्थानीय मतदाता ने अदालत का दरवाजा खटखटाते हुए आरोप लगाया कि विजय द्वारा दोनों सीटों पर दिए गए हलफनामों में उनकी आय के आंकड़े मेल नहीं खा रहे हैं। जांच में सामने आया कि त्रिची सीट के लिए दाखिल कागजातों में विजय ने अपनी आय 220 करोड़ रुपये दिखाई थी, जबकि पेरम्बूर सीट के हलफनामे में यह आंकड़ा मात्र 115 करोड़ रुपये दर्शाया गया था। इन दोनों आंकड़ों के बीच पूरे 105 करोड़ रुपये का अंतर पाया गया है, जिस पर अब अदालत ने सख्त रुख अपनाया है। इस बार का तमिलनाडु चुनाव विजय की एंट्री से काफी दिलचस्प और त्रिकोणीय हो गया है। तिरुचिरापल्ली (त्रिची) पूर्व सीट पर विजय का सीधा मुकाबला सत्ताधारी पार्टी डीएमके के नेता इनीगो एस. इरुदयाराज से है। वहीं, पेरम्बूर सीट पर वे डीएमके विधायक आर.डी. शेखर को चुनौती दे रहे हैं। त्रिची पूर्व विधानसभा क्षेत्र में अल्पसंख्यक आबादी, विशेषकर ईसाई समुदाय का काफी प्रभाव है और यहां कई बड़े चर्च भी मौजूद हैं। हालांकि इस इलाके को पारंपरिक रूप से डीएमके का मजबूत गढ़ माना जाता है, लेकिन विजय के मैदान में उतरने से इरुदयाराज को इस बार बेहद कड़ी टक्कर मिल रही है।

तटीय इलाकों और अल्पसंख्यक वोटों पर विजय की पैनी नजर

राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि चुनाव में विजय के आने से सीधा असर अल्पसंख्यक वोटों के ध्रुवीकरण पर पड़ेगा और वोटों का बंटवारा होना तय है। इस कड़े मुकाबले वाले त्रिकोणीय चुनाव में अल्पसंख्यक वोटों के साथ-साथ दलित और बहुसंख्यक हिंदू वोट बैंक भी हार-जीत तय करने में अहम भूमिका निभाएंगे। एक्टर विजय का चुनावी अभियान मुख्य रूप से रामनाथपुरम सहित तमिलनाडु के तटीय इलाकों पर काफी केंद्रित रहा है। उनकी यह सोची-समझी राजनीतिक रणनीति स्पष्ट रूप से मछुआरा समुदाय और अल्पसंख्यकों के वोटों को अपने पक्ष में लामबंद करने की ओर इशारा कर रही है।

अरविंद केजरीवाल एंड फैमिली को घर में रखने वाले ने भी छोड़ा साथ, कैसे इतनी बिगड़ी बात?

नई दिल्ली (एजेंसी)।

दिल्ली की राजनीति में गुरुवार का दिन काफी हंगामेदार रहा। अरविंद केजरीवाल के लिए वे हाथ आज विश्वासघाती साबित हुए, जिन हाथों ने कभी वफादारी के साथ उनका स्वागत किया था। राज्यसभा सांसद अशोक मित्तल ने 2024 में जेल से जमानत पर छूटने के बाद अरविंद केजरीवाल और उनके परिवार को नई दिल्ली में 5, फिरोजशाह रोड स्थित अपने आधिकारिक आवास में पनाह दी थी। उन्होंने अब आम आदमी पार्टी का साथ छोड़ भाजपा का दामन थाम लिया है। आपको बता दें कि यह घटना 24 अप्रैल के ठीक एक दिन बाद हुई। इसी दिन केजरीवाल मित्तल के घर से शिफ्ट होकर लोधी एस्टेट स्थित नए बंगले में गए और इसके कुछ ही घंटों बाद मित्तल ने पाला बदल लिया।

पार्टी के भीतर लंबे समय से चल रही खींचतान अब खुलकर सामने आ गई है। राघव चड्ढा को 2 अप्रैल को केजरीवाल ने राज्यसभा में उप-नेता के पद से हटाकर अशोक मित्तल को नियुक्त किया था। सूत्रों के अनुसार, चड्ढा को खामोश करने की कोशिश की जा रही थी। चड्ढा अकेले इस्तीफा नहीं दे सकते थे क्योंकि उन पर दल-बदल विरोधी कानून लागू होता। दो-तिहाई बहुमत के साथ यह सामूहिक पलायन कानूनी बाधाओं को पार कर गया।

सूत्रों का कहना है कि केजरीवाल को इस बगावत की भनक लग गई थी। उन्होंने शुक्रवार शाम को सभी सांसदों को अपने घर बैठक के लिए बुलाया था। उन्होंने सांसदों से वादा किया था कि यदि वे पार्टी से खुश नहीं हैं और अभी इस्तीफा देते हैं, तो उन्हें अगले कार्यकाल में फिर से टिकट दिया जाएगा। इससे पहले कि यह बैठक हो पाती, सांसदों ने समय से पहले ही अपने इस्तीफे और भाजपा में शामिल होने की घोषणा कर दी।

वैभव सूर्यवंशी ने रचा इतिहास, आधे ही सीजन में बना डाला ''ट्रिपल रिकॉर्ड'', इन दिग्गजों को छोड़ा पीछे

नई दिल्ली (एजेंसी)।

भारतीय क्रिकेट के नए 'सुपर किड' वैभव सूर्यवंशी की बल्लेबाजी का तूफान रुकने का नाम नहीं ले रहा है। शनिवार को जयपुर के सवाई मानसिंह स्टेडियम में सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ खेलते हुए वैभव ने वह कारनामा कर दिखाया, जो दिग्गज खिलाड़ी अपने पूरे करियर में एक बार भी नहीं कर सके।

राजस्थान रॉयल्स की ओर से खेलते हुए वैभव ने पारी के पहले ही ओवर में प्रभुल हिंगे के खिलाफ अपना इरादा साफ कर दिया था। उन्होंने सिर्फ 15 गेंदों में अपना अर्द्धशतक पूरा कर सनराइजर्स के गेंदबाजों के होश उड़ा दिए। अपनी इस तूफानी पारी के दौरान सूर्यवंशी ने 7 गगनचुंबी छक्के और 1 चौका जड़ा।

हैरानी की बात यह है कि वैभव ने इसी आईपीएल सीजन में तीसरी बार 15 गेंदों पर अर्द्धशतक जड़ने का ऐतिहासिक रिकॉर्ड अपने नाम किया है। इससे पहले वह इसी सीजन में चेन्नई सुपर किंग्स और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के खिलाफ भी 15-15 गेंदों में पचासा ठोक चुके हैं। क्रिकेट इतिहास में ऐसा पहली बार हुआ है जब किसी बल्लेबाज ने महज आधे सीजन में तीन बार इतनी तेज फिफ्टी लगाई हो।

वैभव ने इस मामले में ऑस्ट्रेलिया के जैक फ्रेजर-मुकगर्क को पीछे छोड़ दिया है, जिन्होंने 2024 में दो बार 15 गेंदों पर अर्द्धशतक लगाया था। वहीं, क्रिकेट जगत के बड़े नाम जैसे यूसुफ पठान (2014), सुनील नरेन (2017), निकोलस पूरन (2023) और अभिषेक शर्मा (2024) अपने पूरे आईपीएल करियर में अब तक केवल एक-एक बार ही 15 गेंदों में अर्द्धशतक जड़ पाए हैं। महज 13 साल के वैभव की इस 'सुनामी' ने विश्व क्रिकेट को यह सोचने पर मजबूर कर दिया है कि टूर्नामेंट के खत्म होने तक वह और कितने रिकॉर्ड ध्वस्त करेंगे।

पंजाब किंग्स ने रचा इतिहास, दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ रिकॉर्ड तोड़ लक्ष्य किया हासिल

नई दिल्ली (एजेंसी)। लोकेश राहुल की नाबाद 152 रन की पारी के बावजूद दिल्ली कैपिटल्स को इंडियन प्रीमियर लीग के बड़े स्कोर वाले टी20 मैच में यहां पंजाब किंग्स के खिलाफ 7 गेंद शेष रहते छह विकेट से हार का सामना करना पड़ा। कैपिटल्स ने दो विकेट पर 264 रन बनाए, लेकिन टीम के लचर क्षेत्ररक्षण का फायदा उठाते हुए पंजाब किंग्स ने सलामी बल्लेबाज प्रभसिमरन सिंह की 26 गेंदों में 76 और कप्तान श्रेयस अय्यर की 36 गेंदों में नाबाद 71 रन की पारी से 18.5 ओवर में चार विकेट पर 265 रन बनाकर IPL में सबसे बड़े लक्ष्य का पीछा करने का नया रिकॉर्ड कायम कर अपना अजेय अभियान जारी रखा। मौजूदा सत्र में यह टीम की सात मैचों में छठी जीत है। कैपिटल्स की सात मैचों में यह चौथी हार है।

प्रभसिमरन ने पहले विकेट के लिए प्रियांश आर्य के साथ 42 गेंदों में 128 रन की साझेदारी कर पंजाब को तेज शुरुआत दिलाई। तीन गेंदों के अंदर करुण नायर से मिले दो आसान जीवनदान का फायदा उठाते हुए अय्यर ने चौथे विकेट के लिए नेहाल वढेरा (25) के साथ 31 गेंदों में 51 और पांचवें विकेट के लिए शशांक सिंह (नाबाद 19) के साथ 26 गेंदों में 64 रन की अटूट साझेदारी कर टीम को जीत दिला दी। 'प्लेयर ऑफ द मैच' प्रभसिमरन ने 26 गेंदों की पारी में नौ चौके और पांच छक्के लगाए, जबकि अय्यर ने 36 गेंदों की पारी में तीन चौके और सात छक्के जड़े। राहुल ने नीतीश राणा के साथ दूसरे विकेट के लिए 96 गेंदों में 220 रन की साझेदारी कर जिससे कैपिटल्स ने आईपीएल इतिहास का अपना सबसे बड़ा स्कोर बनाया।

पंजाब किंग्स ने रचा इतिहास

IPL में अपने छठे शतक के दौरान राहुल ने 67 गेंदों की पारी में 16 चौके और नौ छक्के लगाए, जबकि राणा ने 44 गेंदों की पारी में 11 चौके और चार छक्कों की मदद से 91 रन बनाए। दोनों की 220 रन की साझेदारी आईपीएल की दूसरी सबसे बड़ी साझेदारी है। सबसे बड़ी साझेदारी का रिकॉर्ड विराट कोहली और एबी डिविलियर्स के नाम है। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु की इस जोड़ी ने गुजरात लायंस के खिलाफ 2016 में दूसरे विकेट के लिए 229 रन की साझेदारी की थी। राहुल का यह स्कोर किसी भारतीय बल्लेबाज द्वारा आईपीएल में सबसे बड़ा, जबकि ओवरऑल तीसरा सबसे बड़ा व्यक्तिगत स्कोर है। उन्होंने 226 के स्ट्राइक रेट से रन बनाए। राहुल को 12 रन के स्कोर पर अर्शदीप की गेंद पर शशांक सिंह ने कैच छोड़कर जीवनदान दिया और इस बल्लेबाज ने उसका पूरा फायदा उठाते हुए मैदान के हर कोने में बाउंड्री लगाई। पंजाब किंग्स के लिए अर्शदीप सिंह और जेवियर बार्टलेट ने एक-एक विकेट लिए, लेकिन टीम के सभी गेंदबाजों ने रन लुटाए। बार्टलेट ने चार ओवर में 69 रन दिए, जबकि विजयकुमार वैशाख ने तीन ओवर में 48 रन दिए।

लक्ष्य का पीछा करते हुए प्रियांश आर्य ने पहले ही ओवर में अजमतुल्लाह उमरजई की गेंद पर छक्का जड़कर तेवर दिखाए, वहीं प्रभसिमरन ने ओवर का अंत छक्के से किया। इस जोड़ी ने मुकेश कुमार के दूसरे ओवर से 21 और अक्षर पटेल के तीसरे ओवर से 20 रन बटोरे। तीसरे ओवर के दौरान दक्षिण अफ्रीका के तेज गेंदबाज लुंगी एनगिडी के सिर और कंधे में गंभीर चोट लगने के बाद उन्हें एंबुलेंस की मदद से मैदान से बाहर ले जाया गया। प्रभसिमरन ने चौथे ओवर में तीन छक्के लगाए, जबकि आर्य ने भी इस ओवर में एक छक्का लगाकर कुल 27 रन बटोरे। इस विकेटकीपर बल्लेबाज ने मुकेश कुमार के खिलाफ चौके के साथ 18 गेंदों में अपना अर्धशतक पूरा किया। उन्होंने इस ओवर में छह चौके जड़े और पंजाब का स्कोर पावरप्ले में बिना किसी नुकसान के 116 रन तक पहुंचा दिया। यह मौजूदा सत्र में पंजाब किंग्स का सर्वश्रेष्ठ और आईपीएल इतिहास का दूसरा सर्वश्रेष्ठ पावरप्ले स्कोर है।

अक्षर ने सातवें ओवर में आर्य को आउट कर कैपिटल्स को पहली सफलता दिलाई, जबकि कुलदीप यादव ने प्रभसिमरन को पगबाधा कर पांच गेंदों के भीतर दूसरी सफलता दिलाई। अक्षर की गेंद पर कूपर कोनोली का कैच पकड़ने के बाद मुकेश का पैर बाउंड्री से टकरा गया, जिससे यह छह रन में बदल गया, लेकिन कुलदीप ने अगले ओवर में उन्हें बोल्ड कर जीवनदान का फायदा नहीं उठाने दिया। अय्यर ने कुलदीप के खिलाफ स्क्वायर लेग के ऊपर से छक्का जड़ा। एनगिडी की जगह कन्कशन सब्स्टिट्यूट के तौर पर मैदान पर आए विप्रज निगम ने नेहाल वढेरा को आउट कराया, लेकिन करुण नायर ने इसी ओवर में अय्यर का आसान कैच छोड़ दिया। नायर ने दो गेंद बाद कुलदीप की गेंद पर अय्यर का एक और आसान कैच टपका दिया। अय्यर ने इन दोनों जीवनदान का फायदा उठाते हुए चौका और दो छक्के लगाकर अपना अर्धशतक 26 गेंदों में पूरा किया और फिर शशांक के साथ मिलकर टीम को आसान जीत दिला दी।

पहले बल्लेबाजी का न्योता मिलने के बाद राहुल ने शुरूआती ओवरों में समझदारी से समय लेने के बाद दूसरे ओवर में बार्टलेट का स्वागत लगातार दो चौकों से किया, लेकिन अर्शदीप की गेंद पर शशांक सिंह ने उनका आसान कैच टपका दिया। अर्शदीप ने हालांकि पथुम निसांका (11) को आउट कर पवेलियन की राह दिखाई। राहुल ने इसी ओवर में दिल्ली की पारी का पहला छक्का जड़ा, वहीं क्रीज पर आए नीतीश राणा ने मार्को यानसेन और फिर वैशाख के खिलाफ लगातार गेंदों पर चौके जड़े। राहुल ने वैशाख की फुलटॉस गेंद को दर्शकों तक पहुंचाया।

श्रेयस अय्यर ने बड़ी उपलब्धि हासिल की, आईपीएल में पूरे किए 4000 रन

नई दिल्ली (एजेंसी)। पंजाब किंग्स के कप्तान श्रेयस अय्यर ने इंडियन प्रीमियर लीग में अपने 4000 रन पूरे कर लिए हैं। अय्यर ने यह उपलब्धि अपनी टीम के दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ मैच के दौरान हासिल की। 265 रनों के रिकॉर्ड लक्ष्य का पीछा करते हुए अय्यर ने एक छोटे से झटके के बाद PBKS को एक बार फिर संभाला, जब टीम का स्कोर 145/3 हो गया था। उन्होंने 36 गेंदों में नाबाद 71* रन बनाए, जिसमें तीन चौके और सात छक्के शामिल थे और उनका स्ट्राइक रेट 197.22 रहा।

अय्यर ने अब 140 मैचों और 138 पारियों में 35.48 की औसत और 136.02 के स्ट्राइक रेट से 4010 रन बनाए हैं जिसमें 31 अर्धशतक और 97* का सर्वश्रेष्ठ स्कोर शामिल है। उन्होंने अपने IPL करियर का अधिकांश समय दिल्ली कैपिटल्स के साथ बिताया है और 2022-24 तक कोलकाता नाइट राइडर्स के साथ भी तीन सीजन खेले जिसका समापन कप्तान के तौर पर खिताब जीतने के साथ हुआ।

इस सीजन में श्रेयस ने PBKS के लिए शानदार प्रदर्शन किया है। उन्होंने 7 मैचों और 6 पारियों में 69.75 की औसत और 186.00 के स्ट्राइक रेट से 279 रन बनाए हैं जिसमें चार अर्धशतक और 71* का सर्वश्रेष्ठ स्कोर शामिल है। PBKS के लिए उन्होंने 24 मैचों और 23 पारियों में 55.18 की औसत और 178.38 के स्ट्राइक रेट से 886 रन बनाए हैं जिसमें 10 अर्धशतक शामिल हैं। यह उनके टी20 खेल में एक बड़े बदलाव के दौर की शुरुआत है। इस जीत के साथ PBKS छह जीत और एक बिना नतीजे वाले मैच के साथ अजेय बनी हुई है जिससे उसके 13 पॉइंट्स हो गए हैं। छ्ष्ट छठे स्थान पर है जिसके तीन जीत और चार हार के साथ छह पॉइंट्स हैं। PBKS ने 2024 सीजन में कोलकाता नाइट राइडस के खिलाफ 262 रनों का पीछा करने का अपना ही रिकॉर्ड तोड़ दिया।

मैच की बात करें तो दिल्ली के पहले बल्लेबाजी करने का फैसला करने के बाद KL राहुल (67 गेंदों में 152*, जिसमें 16 चौके और नौ छक्के शामिल थे) और नीतीश राणा (44 गेंदों में 91*, जिसमें 11 चौके और चार छक्के शामिल थे) के बीच दूसरे विकेट के लिए 220 रनों की शानदार साझेदारी ने DC का स्कोर 264/2 तक पहुंचा दिया। PBKS ने भी हार नहीं मानी, प्रियांश आर्य (17 गेंदों में 43 रन, जिसमें दो चौके और पांच छक्के शामिल थे) और प्रभसिमरन (26 गेंदों में 76 रन, जिसमें नौ चौके और पांच छक्के शामिल थे) ने पावरप्ले में ही 116 रन बना डाले। इसके बाद श्रेयस (36 गेंदों में 71*, जिसमें तीन चौके और सात छक्के शामिल थे) ने निहाल वढेरा (25) और शशांक सिंह (19*) के साथ मिलकर साझेदारियां कीं और 18.5 ओवरों में 6 विकेट शेष रहते हुए लक्ष्य हासिल कर लिया।

रविचंद्रन अश्विन और इरफान पठान ने खराब कप्तानी के लिए की हार्दिक पांड्या की आलोचना

नई दिल्ली (एजेंसी)। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 के 33वें मुकाबले में चेन्नई सुपरकिंग्स ने शानदार प्रदर्शन करते हुए मुंबई इंडियंस को 103 रन के बड़े अंतर से हरा दिया। चेन्नई सुपरकिंग्स ने पहले बल्लेबाजी करते हुए संजू सैमसन (101*) के शतक से 207/6 का स्कोर बनाया था। जवाब में मुंबई इंडियंस की टीम 104 रन पर ढेर हो गई। इस हार पर पूर्व खिलाड़ी रविचंद्रन अश्विन और इरफान पठान ने मुंबई इंडियंस के कप्तान हार्दिक पांड्या की खराब कप्तानी की आलोचना की है।

चेन्नई सुपरकिंग्स के पूर्व ऑफ स्पिनर अश्विन ने अच्छी पिच पर चेन्नई सुपरकिंग्स को पहले बल्लेबाजी देने के लिए हार्दिक पांड्या की आलोचना की। उन्होंने कहा कि यह एक गलती थी जिसकी वजह से रुतुराज गायकवाड़ की अगुवाई वाली टीम एक चुनौतीपूर्ण स्कोर खड़ा करने में सफल रही। अश्विन ने अपने यूट्यूब चैनल पर एक वीडियो में कहा, हार्दिक पांड्या ने टॉस जीता और उस टीम को फायदा पहुंचाया जिसने इस टूर्नामेंट में सिर्फ पहले बल्लेबाजी करके ही मैच जीते हैं।

पठान ने मुंबई की पिच पर टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने के फैसले की आलोचना की है। मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में खेले गए पिछले 6 टी-20 मैचों में से 4 में पहले बल्लेबाजी करने वाली टीमों ने ही जीत हासिल की है। उन्होंने कहा, टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला मुंबई इंडियंस के लिए मुश्किल था, लेकिन फैसलों के बाद हिम्मत तो दिखानी ही पड़ती है। हालांकि, पांड्या के नेतृत्व में टीम अपने फैसले का बचाव नहीं कर पाई।

पठान ने सेट हो चुके संजू सैमसन के स्ट्राइक पर होने के बावजूद कृष भगत को 15वें-16वें ओवर में गेंदबाजी के लिए लाने पर पंड्या की आलोचना की। उन्होंने कहा, आपने कृष भगत को, जो अपना सिर्फ दूसरा मैच खेल रहे हैं, पहली बार 15वें-16वें ओवर में अच्छी तरह से सेट हो चुके सैमसन के स्ट्राइक पर आने के बावजूद गेंदबाजी के लिए लाया।

प्रियांश आर्य ने रिकॉर्ड 265 रन का लक्ष्य हासिल करने के बाद दिया बयान, रिकी पोंटिंग ने कही थी ये बात

नई दिल्ली (एजेंसी)। पंजाब किंग्स के ओपनर बल्लेबाज प्रियांश आर्य ने 265 रन के रिकॉर्ड लक्ष्य को हासिल करने के बाद कहा कि रिकी पोंटिंग ने कहा था हम इसे आराम से चेज कर सकते हैं। पंजाब ने दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ उन्हीं के घरेलू मैदान अरुण जेतली स्टेडियम में 6 विकेट से जीत दर्ज की। प्रियांश ने मैच के बाद कहा, 'हम (ओपनर्स) आपस में बात कर रहे थे कि अगर हम पहले छह ओवरों में 80 रन बनाने की कोशिश करें, तो अगर हम समझदारी से बैटिंग करें तो आसानी से 100 रन बना सकते हैं। यही चीज हमारे लिए काम कर रही थी।'

पिच के बारे में आप क्या कहेंगे? इस पर प्रियांस ने कहा, 'पिच बहुत अच्छी थी। और मुझे विश्वास था कि हम इसे चेज कर सकते हैं। पहले मुझे लगा था कि स्कोर लगभग 240 होगा, और हम उसे चेज कर सकते हैं। लेकिन जब स्कोर 265 हो गया, तब भी मुझे लगा कि यह नामुमकिन नहीं है। अगर हमारा पावरप्ले अच्छा होता, तो हम इसे आराम से चेज कर सकते थे। मुझे बहुत मजा आ रहा था (जब प्रभसिमरन बैटिंग कर रहे थे।)'

प्रियांश ने आगे कहा, 'मैं सोच रहा था कि उन्हें बस हिट करते रहना चाहिए ताकि शायद मुझे ज्यादा रिस्क न लेना पड़े। रिकी पोंटिंग ने कहा था कि अगर हम अपना बेस्ट गेम खेलें, तो हम इसे आराम से चेज कर सकते हैं। और हम इंडियन प्रीमियर लीग में अब तक की सबसे अच्छी टीम हैं। इसलिए अगर हम अपना बेस्ट गेम खेलें, तो हम इसे चेज कर सकते हैं। बस खुद पर विश्वास बनाए रखें।

प्रभसिमरन ने पंजाब किंग्स के लिए दूसरी बार 18 गेंदों पर लगाई फिफ्टी

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रभसिमरन सिंह ने दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ पंजाब किंग्स के लिए IPL 2026 में 18 गेंदों पर अर्धशतक लगा दिया है। प्रभसिमरन का यह अर्धशतक पंजाब के लिए सबसे तेज अर्धशतकों में से एक है। इससे पहले भी प्रभसिमरन 18 गेंदों पर अर्धशतक लगा चुके हैं। प्रभसिमरन ने दिल्ली के खिलाफ अरुण जेतली स्टेडियम में 26 गेंदों पर कुल 76 रन बनाए जिसमें 9 चौके और 5 छक्के शामिल थे। पंजाब किंग्स के लिए सबसे तेज अर्धशतक केएल राहुल ने लगाया है जिन्होंने इस मैच में पंजाब के खिलाफ ही 152 रन की पारी खेली है। राहुल ने 14 गेंदों पर दिल्ली के खिलाफ मोहाली में 2018 में ऐसा किया था।

कैसी है लुंगी एनगिडी की हालत ?, बुरी तरह चोटिल होने के बाद अस्पताल ले जाने मैदान में आई थी एम्बुलेंस

नई दिल्ली (एजेंसी)। दक्षिण अफ्रीका के तेज गेंदबाज लुंगी एनगिडी को दिल्ली कैपिटल्स और पंजाब किंग्स के बीच यहां आईपीएल मैच के दौरान गंभीर चोट लगने के बाद एंबुलेंस से स्थानीय अस्पताल ले जाया गया लेकिन अब उनकी हालत स्थिर है और उन्हें जल्द ही छुट्टी मिल जाएगी।

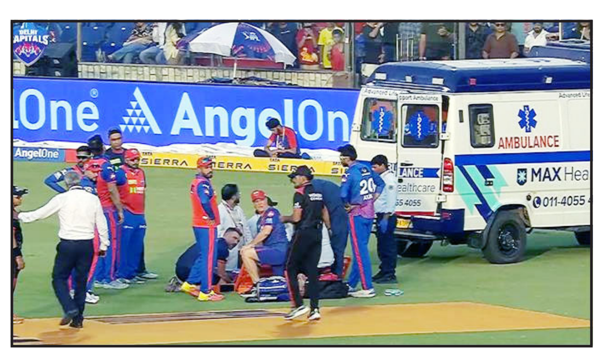

जीत के लिए 265 रन का पीछा कर रही पंजाब किंग्स की पारी के तीसरे ओवर में कप्तान अक्षर पटेल की गेंद पर प्रियांश आर्या के शॉट पर मिड-ऑफ पर खड़े एनगिडी कैच लेने के लिए पीछे की ओर भागे, लेकिन गेंद का सही अनुमान नहीं लगा सके और संतुलन बिगड़ने के कारण गिर पड़े।

इस दौरान उनका कंधा और सिर जोर से जमीन से टकराया। मैदान पर गिरते ही एनगिडी ने तुरंत अपना सिर पकड़ लिया और कुछ समय तक जमीन पर ही स्थिर रहे। वह कुछ मिनट तक मैदान पर लेटे रहे, जिसके बाद टीम के फिजियो और डॉक्टर तुरंत मौके पर पहुंचे। प्रारंभिक जांच के दौरान उनकी गर्दन को स्थिर रखने के लिए नेक ब्रेस लगाया गया। उन्हें मेडिकल जांच के लिए तुरंत यहां पूसा रोड स्थित मैक्स अस्पताल ले जाया गया। IPL ने बताया कि 30 वर्षीय दाएं हाथ के तेज गेंदबाज ने सिरदर्द और गर्दन में दर्द की शिकायत की थी, लेकिन फिलहाल उनकी हालत स्थिर है। IPL ने 'एक्स' पर कहा, 'दिल्ली कैपिटल्स के लुंगी एनगिडी का सिर पंजाब किंग्स के खिलाफ अपनी टीम के मैच के दौरान कैच लेने की कोशिश करते समय जमीन से टकरा गया। सिरदर्द और गर्दन में दर्द की शिकायत के बाद उन्हें एम्बुलेंस से अस्पताल ले जाया गया।'

इसमें कहा गया, 'एनगिडी की हालत स्थिर है और उन्हें जल्द ही अस्पताल से छुट्टी मिल जाएगी। विप्रज निगम 'कनकशन सब्स्टीट्यूट' (चोट लगने पर बदले जाने वाले खिलाड़ी) के तौर पर मैदान पर आए हैं।' इस दौरान कैपिटल्स के खिलाड़ी चिंतित नजर आए और मैदान में सन्नाटा पसर गया। एनगिडी को मेडिकल टीम के सवालों का जवाब देते हुए देखा गया। इस दौरान दक्षिण अफ्रीका के अन्य खिलाड़ी ट्रिस्टन स्टब्स और डेविड मिलर, साथ ही पंजाब किंग्स के मुख्य कोच रिकी पोंटिंग और दिल्ली कैपिटल्स के मुख्य कोच हेमांग बदानी भी उनका हालचाल पूछने के लिए वहां पहुंचे।

पूर्व दिग्गज स्पिनर कुंबले और हरभजन ने की सैमसन की पारी की सराहना, बताया बेहतरीन पारी

चेन्नई (एजेंसी)। अनिल कुंबले और हरभजन सिंह जैसे पूर्व दिग्गज स्पिनरों ने मुंबई इंडियंस के खिलाफ संजू सैमसन के शतक की जमकर सराहना करते हुए इसे परिस्थिति के हिसाब से सबसे बेहतरीन पारियों में से एक करार दिया.

सैमसन की 54 गेंदों पर नाबाद 101 रन की पारी से चेन्नई सुपरकिंग्स (सीएसके) ने छह विकेट पर 207 रन बनाने के बाद मुंबई इंडियंस को 104 रन पर आउट कर बड़ी जीत दर्ज की. मौजूदा सत्र में यह सैमसन का दूसरा शतक है.

पूर्व स्पिनर कुंबले ने स्टार स्पोर्ट्स पर कहा, सीएसके की सफलता अक्सर उनके सलामी बल्लेबाजों की मजबूत शुरुआत पर टिकी रही है लेकिन पिछले कुछ सत्र में टीम को इस मामले में निराशा मिली है. सैमसन ने इस जिम्मेदारी को उठाने की कोशिश की है. सिर्फ सात मैचों में दो नाबाद शतक, और उन्होंने टीम को संभालने में अहम भूमिका निभाई है. इस महान लेग स्पिनर ने कहा, यह उस भूमिका की तरह है जो जोस बटलर ने राजस्थान की फाइनल तक की यात्रा में निभाई थी और आप साफ देख सकते हैं कि संजू ने अपने खेल में उसी तरह का प्रभाव अपनाया है.

भारत के पूर्व ऑफ स्पिनर हरभजन सिंह ने इस शतक को सैमसन की सबसे बेहतरीन पारियों में से एक करार दिया. उन्होंने कहा, संजू सैमसन इसलिए अलग नजर आए क्योंकि उनकी खेल की समझ बहुत मजबूत थी. बहुत से खिलाड़ियों में प्रतिभा होती है, लेकिन बहुत कम खिलाड़ी यह समझ पाते हैं कि अलग-अलग परिस्थितियों में पारी को कैसे गति देनी है. उन्होंने यह समझा कि खासकर एक युवा टीम के साथ अंत तक टिके रहना कितना जरूरी है. हरभजन ने कहा, अर्धशतक के बाद उन्होंने गति बदली, एक और दो रन दौड़कर चुराने पर ध्यान दिया और सुनिश्चित किया कि वे आखिरी चरण तक टिके रहें. दूसरी तरफ विकेट गिरते रहे, लेकिन उन्होंने जिम्मेदारी ली और मजबूत अंत किया. उन्होंने कहा, मेरे लिए यह समझ और दृढ़ संकल्प के लिहाज से सबसे बेहतरीन पारियों में से एक थी. सैमसन की शतकीय पारी के बाद वेस्टइंडीज के बाएं हाथ के स्पिनर अकील हुसैन (17 रन पर चार विकेट) और नूर अहमद (23 रन पर दो विकेट) ने मैच जिताने वाला प्रदर्शन किया और टीम को 103 रनों की बड़ी जीत दिलाई.

सीएसके स्पिनरों की आक्रामक सोच पर हरभजन ने कहा, जो बात सबसे ज्यादा खास थी, वह थी विकेट लेने की नीयत. वे सच में गेंद को स्पिन करा रहे थे. मौजूदा दौर के टी20 क्रिकेट में ऐसा कम ही दिखता है. इस पिच पर टर्न काफी था और उन्होंने इसका शानदार इस्तेमाल किया. भारत और सीएसके के पूर्व बल्लेबाज सुरेश रैना ने भी सैमसन की पारी की तारीफ की. रैना ने कहा, संजू सैमसन शानदार रहे क्योंकि उन्होंने अपनी पारी को समझदारी से बनाया. उन्होंने शुरुआत में समय लिया और अच्छी गेंदों का सम्मान किया, खासकर जसप्रीत बुमराह जैसे गेंदबाज के खिलाफ. इस बाएं हाथ के बल्लेबाज ने कहा, साथ ही उन्होंने खराब गेंदों का पूरा फायदा उठाया और गेंद को बहुत अच्छे से प्लेस किया. धैर्य और आक्रामकता के बीच यह संतुलन ही सबसे खास रहा.

संपादकीय

निवेश घटने का दुष्प्रभाव

बुनियादी विकास में निवेश घटने का दुष्प्रभाव गरीब तबकों पर पड़ता है। उधर सरकार जो ऋण लेती है, उस पर दिया जाने वाला ब्याज अंततः धनी लोगों की जेब में ही पहुंचता है। इससे वे और धनी होते हैं। साल 2024-25 में भारत सरकार पर देशी ऋण 8.35 और विदेशी कर्ज 9.83 फीसदी बढ़ा। उधर पिछले वित्त वर्ष की तुलना में उसके पूंजीगत खर्च में 0.08 प्रतिशत की गिरावट आई। ये आंकड़ें सीएजी की ताजा रिपोर्ट से सामने आए हैं। स्पष्टतः ऋण बढ़ने का एक प्रमुख कारण पिछले कर्ज (और उस पर ब्याज) को चुकाने के लिए लिया गया नया कर्ज है। कर्ज के बढ़ते बोझ का खामियाजा पूंजीगत व्यय (यानी ठोस विकास कार्यों) को चुकाना पड़ रहा है। यह चिंताजनक रुझान है। ऋण से पूंजी निर्माण या सामाजिक विकास हो रहा हो, तो उस कर्ज की सकारात्मक भूमिका समझी जाती है। लेकिन ऋण की रकम रोजमर्रा के उपभोग या पिछले ऋण को चुकाने में खर्च हो रही हो, अथवा कर्ज लेकर हुए निवेश के लाभ चंद हाथों में सिमट रहे हों, तो समझा जाएगा कि देश दुर्दशा की तरफ जा रहा है। सेंटर फॉर फाइनेंशियल अकांटिबिलिटी नाम के गैर-सरकारी संगठन की ताजा रिपोर्ट- 'वेल्थ ट्रैकर इंडिया: 2026' इस बारे में एक महत्वपूर्ण जानकारी देती है। इसके मुताबिक 2029 से 2025 की अवधि में भारत के पांच सबसे अधिक समृद्ध परिवारों के धन में 400 प्रतिशत की वृद्धि हुई। जबकि निचली 50 फीसदी आबादी का धन जहां का तहां रहा। इतनी बड़ी जनसंख्या के पास देश का महज 6.4 प्रतिशत धन है। गौरतलब है कि पूंजीगत व्यय में गिरावट की सबसे ज्यादा मार इन तबकों पर ही पड़ती है। मानव एवं भौतिक विकास में निवेश घटने का अर्थ है इन तबकों की प्रगति की आस का कमजोर पड़ना। उधर चूंकि सरकार ऋण धनी लोगों के स्वामित्व वाले संस्थानों से ही लेती है, तो उस पर दिया जाने वाला ब्याज उन लोगों की जेब में पहुंचता है। यानी उनका धन और बढ़ता है। वेल्थ ट्रैकर रिपोर्ट में सुझाव दिया गया है कि देश के 1,688 अति धनी व्यक्तियों (1000 करोड़ रुपये से अधिक संपत्ति वाले) पर वेल्थ टैक्स लगा कर सरकार 10 लाख करोड़ रुपये सालाना जुटा सकती है। इससे आम जन के विकास के लिए जरूरी धन का इंतजाम हो सकेगा। मगर ऐसा तब होगा, जब सर्वांगीण विकास सचमुच सरकार की प्राथमिकता होगी!

ममता बनर्जी का अदालतों से फटकार खाने का रिकार्ड

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की सरकार ने एक अनूठा रिकार्ड बनाया है। यह रिकार्ड है, अदालतों से फटकार खाने का। देश में शायद ही किसी राज्य की ऐसी सरकार होगी, जिसने अदालतों से ममता सरकार की जितनी डांट खाई होगी। आश्चर्य की बात यह है कि दर्जनों मामलों में हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट से लताड़ खाने के बावजूद मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के तेवरों में कोई अंतर नहीं आया है। देश की लोकतांत्रिक संस्थाओं से टकराने का ममता का रवैया ऐसा है मानों पश्चिम बंगाल भारत का नहीं बल्कि पाकिस्तान का हिस्सा हो।

पश्चिम बंगाल के मालदा जिले में उपद्रवियों द्वारा तीन महिलाएं सहित सात न्यायिक अधिकारियों को अवैध रूप से बंधक बनाए जाने के मामले में सुप्रीम कोर्ट ने ममता सरकार को कड़ी फटकार लगाई। सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत ने इस मामले की सुनवाई करते हुए कहा था कि यह घटना न केवल न्यायिक अधिकारियों को डराने-धमकाने का एक घिनौना प्रयास है, बल्कि यह इस न्यायालय के अधिकार को भी चुनौती देती है। सुप्रीम कोर्ट ने राज्य के मुख्य सचिव, पुलिस महानिदेशक, मालदा जिला मजिस्ट्रेट और एसएसपी को कारण बताने का निर्देश दिया। शीर्ष अदालत ने इस मामले की सीबीआई/एनआईए जांच का आदेश दिया।

आश्चर्य की बात यह है कि मुख्यमंत्री ममता ने अफसरों की गलती नही मानने के बजाए जिम्मेदारी से पल्ला झाड़ते हुए आरोपों का सारा ठीकरा चुनाव आयोग के सिर फोड़ने का प्रयास किया। इससे पहले बंगाल में चल रहे मतदाता सूची के स्पेशल इन्टेंसिव रिवीजन (एसआईआर) को लेकर दाखिल याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने ममता बनर्जी की पार्टी तृणमूल कांग्रेस की आपत्तियों पर फटकार लगाई थी।

केंद्र की भाजपा सरकार किसी सरकारी योजना का चुनावी फायदा नही उठा ले, इसी मंशा से ममता सरकार ने कोलकाता मेट्रो प्रोजेक्ट में रोड़े अटकाने में कसर बाकी नहीं रखी, आखिरकार सुप्रीम कोर्ट की झाड़ खाने के बाद ममता सरकार परियोजना से बाधाओं को हटाने के लिए मजबूर हुई। सुप्रीम कोर्ट ने 23 मार्च को कोलकाता मेट्रो रेल परियोजना के एक गलियारे के निर्माण में रोड़े अटकाने को लेकर ममता सरकार को कड़ी फटकार लगाई। मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत की पीठ ने बंगाल सरकार की याचिका खारिज करते हुए कलकत्ता हाई कोर्ट को परियोजना की निगरानी करने का निर्देश दिया था। पीठ ने यह भी कहा, हाई कोर्ट ने राज्य सरकार प्रति काफी उदारता दिखाई है। शीर्ष अदालत ने गहरी नाराजगी जताते हुए यहां तक कह दिया कि यह ऐसा मामला था, जिसमें आपके मुख्य सचिव, डीजीपी और अन्य अधिकारियों पर कार्रवाई होनी चाहिए थी।

मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने तमाम संवैधानिक हदें लांघते हुए ऐसा काम किया, जिसे आजाद भारत के इतिहास में कोई मुख्यमंत्री करने का दुस्साहस नहीं कर सका। ईडी ने राजनीतिक रणनीति बनाने वाली मशहूर फर्म इंडियन पॉलिटिकल एक्शन कमेटी से जुड़े कई ठिकानों पर छापेमारी की थी। छापेमारी के बीच में ही मुख्यमंत्री ममता बनर्जी वहां मौजूद एक फाइल अपने साथ ले गईं। इस मुद्दे ईडी ने सुप्रीम कोर्ट का रुख किया। मामले में सुनवाई करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर सख्त टिप्पणी की। न्यायमूर्ति प्रशांत कुमार मिश्रा ने कहा कहा कि किसी मुख्यमंत्री को जबरन उस जगह में घुसते देखना सुखद नहीं है, जहां केंद्रीय जांच एजेंसी जांच कर रही है। कोर्ट ने कहा कि एजेंसी की जांच में दखल नहीं दिया जा सकता है।

सुप्रीम कोर्ट ने शिक्षक भर्ती घोटाले को लेकर बंगाल सरकार को फटकार लगाते हुए कहा था कि जब राज्य सरकार को सिलेक्शन में गड़बड़ी का पता चल चुका था, तो शिक्षकों की अतिरिक्त पद पर नियुक्ति क्यों की गई। तत्कालीन मुख्य न्यायाधीश संजीव खन्ना की पीठ ने बंगाल सरकार से पूछा-अतिरिक्त पद बनाने का उद्देश्य क्या था। गड़बड़ी का पता लगने के बावजूद आपने दागी उम्मीदवारों को बाहर क्यों नहीं किया। दाल में कुछ काला है या सब कुछ काला है। पश्चिम बंगाल के स्कूल सेवा आयोग में शिक्षकों की भर्ती में गड़बड़ी के मामले में केंद्रीय जांच ब्यूरो ने राज्य के पूर्व शिक्षा मंत्री पार्थ चटर्जी, उनकी करीबी अर्पिता मुखर्जी और एसएससी के कुछ अधिकारियों को गिरफ्तार किया था। पेशे से मॉडल अर्पिता के घर से 49 करोड़ कैश और करोड़ों की ज्वेलरी मिली थी।

साल 2024 में संदेशखाली में महिलाओं के यौन शोषण और जमीन हथियाने व राशन घोटाले से जुड़े मामले में सुप्रीम कोर्ट ने ममता सरकार के रवैये पर सवाल उठाते हुए कहा कि सरकार किसी शख्स को बचाने की कोशिश क्यों कर रही है। शीर्ष अदालत ने इस मामले की जांच सीबीआई को सौंपे जाने के कलकत्ता हाई कोर्ट के आदेश के खिलाफ पश्चिम बंगाल सरकार की अर्जी को खारिज कर दी थी। हाई कोर्ट ने कहा था कि आरोपित शाहजहां शेख काफी प्रभावी व्यक्ति हैं और उसका सत्ताधारी दल से संबंध है। राज्य की पुलिस ने उसे बचाने के लिए लुका-छिपी का खेल खेला।

कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज में महिला डॉक्टर के रेप और मर्डर केस को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने ममता सरकार को जमकर फटकार लगाई थी। सुप्रीम कोर्ट ने एफआईआर से लेकर पूर्व प्रिंसिपल संदीप घोष को दूसरे कॉलेज में नियुक्त किए जाने तक अपनी नाराजगी जताई। इसके साथ ही सीबीआई और बंगाल सरकार से जांच रिपोर्ट सौंपने को कहा था। कोर्ट ने ये भी पूछा कि क्या प्रिंसिपल ने हत्या को आत्महत्या बताया? सुप्रीम कोर्ट ने राज्य सरकार की कार्रवाई पर सवाल उठाते हुए कई गंभीर सवाल किए थे।

11 अप्रैल 2019 को सुप्रीम कोर्ट ने फ़िल्म 'भविष्येर भूत' पर प्रतिबंध के मामले में ममता सरकार को फटकार लगाते हुए 20 लाख रुपये का जुर्माना लगाया था। सुप्रीम कोर्ट ने ममता बनर्जी सरकार को कहा कि वे 20 लाख रुपये बांग्ला फिल्म निर्देशक अनिक दत्त और सिनेमा हॉल के मालिकों को दें। दरसअल पश्चिम बंगाल में भविष्येर भूत पर बिना वजह प्रतिबंध को लगाए जाने के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की गई थी। गौरतलब है कि इस फिल्म में कथित तौर पर राज्य की सत्तारूढ़ पार्टी तृणमूल कांग्रेस समेत अन्य राजनीतिक पार्टियों पर कटाक्ष किया गया था। इसी वजह से फिल्म रिलीज होने के एक दिन बाद इसे राज्य भर के सभी सिनेमा हॉल से हटा दिया गया था।

अदालतों की इन तमाम नजीरों से साबित होता है कि ममता बनर्जी मनमाने तरीके से शासन चलाने की आदी हैं। देश में दूसरे राज्यों में भी गैरभाजपा दलों की सरकारें हैं, किन्तु उनका रवैया पश्चिम बंगाल सरकार जैसा नहीं है, जिन्हें बार—बार संवैधानिक संस्थाओं से टकराव को लेकर अदालतों की फटकार खानी पड़ती हो। हालांकि विपक्षी दलों की सरकारों की राज्यपाल और दूसरे मुद्दों पर केंद्र सरकार से तनातनी रही है, किन्तु बात—बात पर अदालतों तक जाने की नौबत नहीं आई। देश और राज्यों के लोकतंत्र का तकाजा यही है कि ममता बनर्जी को अदालतों के निर्णय और निर्देशों से सीखने की जरूरत है।

अभिनेत्री हंसिका मोटवानी ने याद किए पुराने दिन

अभिनेत्री हंसिका मोटवानी ने अपनी मेहनत से खुद को स्थापित किया है। बाल कलाकार के रूप में करियर की शुरुआत करने वाली अभिनेत्री हंसिका मोटवानी ने इंडस्ट्री में काफी समय गुजारा है। अपने सफर को याद करते हुए अभिनेत्री ने एक दिलचस्प किस्सा शेयर किया। उन्होंने इंस्टाग्राम पर एक पॉडकास्ट का क्लिप शेयर किया। इसमें उन्होंने बताया कि वे खुद को बहुत खुशकिस्मत मानती हैं कि उन्होंने बहुत छोटी उम्र से ही काम करना शुरू कर दिया था। अभिनेत्री कहती हैं, मैं इसे ब्लेसिंग ही मानती हूं कि मैं बहुत जल्द ही एक बाल कलाकार बनी। मैं खुद को हमेशा एक बाल कलाकार के तौर पर देखती हूं। मैंने सिर्फ 8 साल की उम्र में ही काम शुरू कर दिया था। इसी वजह से मैं इस इंडस्ट्री से जुड़ गई।

उन्होंने आगे कहा कि इस बात का सबसे अच्छा पहलू यह रहा कि उन्होंने इंडस्ट्री को दोनों दौर में देखा। उन्होंने कहा, एक दौर में जब मैगजीन पर कैमरा होता था और आज के डिजिटल युग में, मैं अपने आपको बहुत खुशकिस्मत मानती हूं कि मुझे बहुत अच्छे लोग मिले। उस समय टीवी बहुत बड़ा था। डेली सोप्स और किशोरों पर आधारित धारावाहिकों का खूब बोलबाला था। अभिनेत्री ने दो शो का जिक्र किया, जो उनके करियर के लिए बहुत सफल रहे थे। उन्होंने कहा, शाका लाका बूम बूम और दूसरा देश में निकला होगा चांद से मुझे काफी लोकप्रियता मिली थी। उन्होंने अपनी बात को खत्म करते हुए कहा, मैं खुशकिस्मत थी कि उस दौर में भी मेरे आस-पास हमेशा अच्छे लोग रहे। इन शोज ने मुझे घर-घर में लोकप्रिय बना दिया।

आम आदमी पार्टी पर बड़ा संकट

केजरीवाल कब छोड़ेंगे पार्टी सुप्रीमो की कुर्सी?

आम आदमी पार्टी के सुप्रीम लीडर अरविंद केजरीवाल अपने सांसदों द्वारा 24 अप्रैल को उन्हें दिए गए गिफ्ट को कभी भूल नहीं पाएंगे। सरकार से लड़-भिड़कर केजरीवाल ने अदालत के जरिए जो सरकारी बंगला लिया था, उस बंगले में परिवार सहित शिफ्ट होने की जानकारी केजरीवाल ने जिस दिन सोशल मीडिया पर शेयर किया, उसी दिन उनके भरोसेमंद सांसदों ने उनकी पार्टी ही तोड़ दी।

आंदोलन के समय के दिग्गज नेताओं को दरकिनार कर केजरीवाल ने जिस राघव चड्ढा और संदीप पाठक जैसे नेताओं को पार्टी का बड़ा चेहरा बनाया, उन्होंने ही एक झटके में केजरीवाल का साथ छोड़ दिया। इन नेताओं ने सिर्फ केजरीवाल को झटका ही नहीं दिया, बल्कि राज्यसभा में एक तरह से आम आदमी पार्टी को खत्म ही कर दिया।

राघव चड्ढा की जिस काबलियत को देखकर एक जमाने में कुमार विश्वास, संजय सिंह और अरविंद केजरीवाल ने उन्हें इंटर्न के तौर पर पार्टी के साथ जोड़ा था। उसी काबलियत का इस्तेमाल करते हुए बड़ी ही चालाकी से राघव चड्ढा ने आप के 10 राज्यसभा सांसदों में से 7 का जुगाड़ (खुद को मिलाकर) करते ही बीजेपी का दामन थाम लिया टूट के लिए कानूनी रूप से जरूरी दो-तिहाई सांसदों का जुगाड़ कर एक बार फिर से राघव चड्ढा ने अपनी काबलियत तो साबित कर दी लेकिन इस बार वे अपने ही राजनीतिक गुरु केजरीवाल पर भारी पड़ गए। पार्टी छोड़ने से पहले उन्होंने आरोप लगाते हुए कहा कि, जिस पार्टी को खून-पसीने से सींचा वह अपने सिद्धांतों से भटक गई है। वहीं केजरीवाल ने अपने राजनीतिक स्टाइल के मुताबिक, बीजेपी पर पंजाबियों के साथ धोखा देने का आरोप लगाया। आम आदमी पार्टी और उनके पूरे सिस्टम ने इन्हें गद्दार, यहां तक कि देशद्रोही तक साबित करने का अभियान छेड़ दिया है।

जबकि होना तो यह चाहिए था कि इतनी बड़ी टूट के बाद आम आदमी पार्टी के नेताओं, खासकर आंदोलन के समय के नेताओं को बैठकर आत्ममंथन करना चाहिए। वर्ष 2013 से पहले और उसके बाद आए तमाम नेताओं पर नजर डालते हुए, यह सोचना चाहिए कि अब तक कितने गए, कब गए, क्यों गए और किसकी वजह से गए? लेकिन इसकी बजाय केजरीवाल पार्टी छोड़कर जाने वाले हर नेता को गद्दार साबित करने में जुट जाते हैं ताकि पार्टी के अंदर कोई भी उनके रवैए पर सवाल न उठा पाए।

आप का जन्म भ्रष्टाचार के खिलाफ चलाए गए देशव्यापी आंदोलन से हुआ था इसलिए इस पार्टी का खत्म होना दशकों तक इस देश को आंदोलन के नाम से डराता रहेगा। इसके लिए सिर्फ ऑपरेशन लोटस और बीजेपी को जिम्मेदार बता देने से काम नहीं चलेगा।

संजय सिंह और मनीष सिसोदिया जैसे नेताओं को तुरंत पार्टी की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की आपात बैठक बुलाकर कुछ कड़े फैसले लेने की पहल करनी चाहिए। दिल्ली में मिली हार के बाद अब यह सवाल तो बेमानी हो गया है कि 'एक व्यक्ति, एक पद' के नियम के बावजूद अरविंद केजरीवाल वर्षों तक दो-दो पदों पर कैसे बने रहे? लेकिन अब यह सवाल तो पूछा ही जाना चाहिए कि आखिर पिछले साढ़े 13 वर्षों से एक ही व्यक्ति (अरविंद केजरीवाल) पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक क्यों बने हुए हैं? क्या संजय सिंह, मनीष सिसोदिया या पार्टी के किसी भी अन्य नेता में पार्टी की कमान संभालने की क्षमता नहीं है ? नेताओं को पार्टी से निकालने का मामला हो या राज्यसभा उम्मीदवार तय करने का मामला हो, यह सब कुछ एक ही व्यक्ति की इच्छा पर कब तक छोड़ा जाएगा? आखिर पार्टी की पॉलिटिकल अफेयर्स कमेटी क्यों बनाई गई है और इसका काम क्या है? पहले दिल्ली में सत्ता सुख भोगों और जब यहां पर जनता सत्ता से बाहर कर दें तो पंजाब जाकर जम जाओ, ये किस तरह का रवैया है? चाहे वो केजरीवाल हो या मनीष सिसोदिया या फिर बिभव कुमार या फिर कोई अन्य नेता या कर्मचारी, दिल्ली की हार के बाद क्या ये लोग 3-4 साल भी दिल्ली में या देश के अन्य राज्यों में संघर्ष नहीं कर सकते जो ये लोग सत्ता वाले राज्य पंजाब को घर बनाने निकल पड़ते है? अगर इन सवालों के जवाब नहीं तलाशे गए तो यकीन मानिए कि आने वाले दिनों में आप का पूरा संगठन भी बीजेपी में विलय होता हुआ नज़र आएगा।

भागदौड़ भरी जिंदगी में स्वस्थ रहने के लिए अपनाएं ये 5 आसान तरीके

भागदौड़ भरी जिंदगी में स्वस्थ रहना एक चुनौतीपूर्ण काम हो सकता है। काम की व्यस्तता और समय की कमी के कारण हम अक्सर अपने स्वास्थ्य की अनदेखी कर देते हैं। हालांकि, कुछ आसान और असरदार तरीके अपनाकर आप अपनी दिनचर्या में स्वास्थ्य का ध्यान रख सकते हैं। इस लेख में हम आपको कुछ ऐसे सुझाव देंगे, जिन्हें अपनाकर आप अपनी भागदौड़ भरी जिंदगी में भी स्वस्थ रह सकते हैं।

खाने का समय तय करना बहुत जरूरी है। कोशिश करें कि आप हर दिन एक ही समय पर खाना खाएं ताकि आपका पाचन तंत्र सही रहे। सुबह का नाश्ता, दोपहर का खाना और रात का खाना एक ही समय पर खाएं। इससे आपका शरीर समय पर भोजन के लिए तैयार रहेगा और आप अधिक ऊर्जावान महसूस करेंगे। इसके अलावा यह आदत आपको भूख लगने पर तुरंत कुछ भी खाने से भी रोकेगी और आप स्वस्थ रहेंगे।

भागदौड़ भरी जिंदगी में अक्सर लोग पानी पीने का समय नहीं निकाल पाते हैं, जो कि सेहत के लिए बहुत जरूरी है। दिनभर में कम से कम 8-10 गिलास पानी पीना चाहिए। इससे आपका शरीर तर रहेगा और आप तरोताजा महसूस करेंगे। अगर आप ऑफिस या काम के दौरान व्यस्त रहते हैं तो अपने डेस्क पर एक पानी की बोतल रखें और उसे समय-समय पर भरते रहें। इससे आपको याद दिलाने की जरूरत नहीं पड़ेगी।

व्यस्तता के कारण व्यायाम करना मुश्किल हो सकता है, लेकिन यह बहुत जरूरी है। आप सुबह या शाम किसी भी समय 20-30 मिनट की सैर कर सकते हैं या हल्की-फुल्की कसरत कर सकते हैं, जैसे योग या स्ट्रेचिंग। अगर समय की कमी है, तो लंच ब्रेक में थोड़ी देर टहलें या ऑफिस के पास पार्क में जाकर कुछ मिनट टहलें। इससे आपका शरीर सक्रिय रहेगा और मानसिक तनाव भी कम होगा। भागदौड़ भरी जिंदगी में पर्याप्त नींद लेना बहुत जरूरी है। कोशिश करें कि आप हर रात कम से कम 7-8 घंटे की नींद लें, ताकि आपका शरीर पूरी तरह से आराम कर सके।

अगर आप देर रात तक काम करते हैं तो सोने से पहले मोबाइल या लैपटॉप का इस्तेमाल न करें क्योंकि इससे आपकी नींद प्रभावित होती है। इसके बजाय किताब पढ़ें या ध्यान लगाएं ताकि आपकी नींद अच्छी हो सके।

भारत से सामान लाने से अब नेपाल की बालेन शाह सरकार को क्या परेशानी?

एक मां अपने बच्चों के लिए चिप्स का एक पैकेट लेकर बॉर्डर क्रॉस कर रही है। भारत से नेपाल जा रही है और बॉर्डर पर खड़े आर्म्ड पुलिस फोर्स के जवान उसे रोक लेते हैं। कहते हैं यह पैकेट 100 से ऊपर का है। कस्टम ड्यूटी लगेगी। वो महिला पूछती है बच्चों के लिए चिप्स का पैकेट भी अब स्मगलिंग है। यह सीन किसी फिल्म का नहीं है। यह एक रियल वीडियो है जो नेपाल के नेपालगंज बॉर्डर से आया है और पूरे सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है और इस एक वीडियो ने एक ऐसे रूल पर स्पॉट लाइट डाल दी है जिसने नेपाल के बॉर्डर एरियाज में रहने वाले लाखों लोगों की जिंदगी मुश्किल कर दी है। तो आज इस पूरे मामले का एमआरआई स्कैन करते हैं। नेपाल और भारत के बीच रोटी और बेटी का संबंध है। दोनों मुल्क के नेताओं को अगर भारत-नेपाल संबंध पर दो शब्द बोलना पड़े तो, भाषण ही इसी मुहावरे से शुरु होता है। लेकिन रोटी-बेटी के इस मुहावरे पर धीरे-धीरे ग्रहण लगता जा रहा है और भारत-नेपाल दोस्ती में दरार पड़ती नजर आ रही है।

नेपाल गवर्नमेंट ने एक डायरेक्टिव जारी किया है जिसके तहत अगर कोई नेपाली नागरिक भारत से 100 नेपाली रुपए से ज्यादा का सामान लेकर नेपाल में एंटर करता है तो उसे कस्टम ड्यूटी देनी होगी। अब 100 नेपाली रुपए का मतलब समझिए। इंडियन करेंसी में यह करीब 62 से ?63 बनते हैं। मतलब आप इंडिया से ?63 का सामान भी लेकर गए तो आपको बॉर्डर पर रुक कर ड्यूटी भरनी पड़ेगी। अब यह रूल नया नहीं है। नेपाल के कस्टम एक्ट में यह प्रोविजन पहले से था। लेकिन सालों से इसे कोई सीरियसली इंप्लीमेंट नहीं करता था। बॉर्डर एरियाज में लोग इंडिया से छोटा-मोटा सामान लाते थे। दवाइयां, कपड़े, राशन, सब्जी और कोई उन्हें नहीं रोकता था। लेकिन अब नेपाल की नई गवर्नमेंट ने इसे स्ट्रिक्टली इनफोर्स करने का फैसला किया है और इनफोर्समेंट भी ऐसा कि बॉर्डर पर माहौल ही बदल गया है। नेपाल की आर्म्ड पुलिस फोर्स यानी कि एपीएफ के जवान अब बॉर्डर पॉइंट्स पर लाउडस्कर लगाकर अनाउंसमेंट कर रहे हैं। यह ?100 से ऊपर का कोई भी सामान डिक्लेअ करना होगा। झापा से लेकर कंचनपुर तक, पूर्व से पश्चिम तक हर कस्टम पॉइंट पर क्रैकडाउन चल रहा है। लोगों के बैग खोले जा रहे हैं। साइकिल पर आने वाले लोगों का सामान चेक हो रहा है। लंबी-लंबी लाइनें लग रही हैं। कस्टम डिपार्टमेंट, रेवेन्यू इन्वेस्टिगेशन डिपार्टमेंट, डिस्ट्रिक्ट एडमिनिस्ट्रेशन, नेपाल पुलिस और एपीएफ की जॉइंट मॉनिटरी टीमें बनाई गई हैं।

नेपाल के कस्टम अधिकारी और बॉर्डर पर तैनात पुलिसकर्मी इस पार से उस पार जाने वाले लोगों के झोले और थैलियां चेक कर रहे हैं। सोशल मीडिया पर इन तस्वीरों के साथ अब यह चर्चा हो रही है और कहा जा रहा है कि केला से कोल्ड ड्रिंक तक अपना भारत से नेपाल ले जाने की इजाजत नहीं है। तस्वीरों में ऐसा ही कुछ दिखाई दे रहा है। भारत नेपाल बॉर्डर पर तैनात नेपाली पुलिस के जवान सख्ती से चेकिंग में जुटे हैं और उन्हें जो चीज भी रोकनी होती है उसे निकाल दे रहे हैं। दरअसल ये सब कुछ हो रहा है नेपाल सरकार की नई बालन शाह सरकार के आदेश पर जिसके तहत नई नीति सीमा शुल्क के मुताबिक अब 100 नेपाली रुपए से अधिक मूल्य के सामान पर 5% से लेकर 80% तक शुल्क सख्ती से वसूला जाएगा।

भारत और नेपाल के बीच करीब 10715 किमी लंबी ओपन बॉर्डर है। 1950 की शांति और मैत्री संधि के तहत दोनों देशों के नागरिक बिना पासपोर्ट और वीजा के एक दूसरे के देश में आ जा सकते हैं। इस रिश्ते को रोटी बेटी का रिश्ता कहा जाता है। मतलब खाने और शादियों के जरिए दोनों देशों के लोग इतने गहराई से जुड़े हुए हैं कि बॉर्डर सिर्फ नक्शे पर है। जमीन पर नहीं है। नेपाल पांच भारतीय राज्यों से बॉर्डर शेयर करता है। उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश, बिहार, पश्चिम बंगाल और सिक्किम। अब इस ओपन बॉर्डर की वजह से नेपाल के बॉर्डर एरियाज के लोग दशकों से इंडिया के बाजारों पर डिपेंडेंट रहे हैं। खासकर मधेश प्रदेश के आठ जिलों में जो सीधे इंडिया की सीमा से लगते हैं। वहां के लोग इंडिया से दवाइयां, कपड़े, साड़ी, धोती, बिस्किट, सीमेंट, मसाले, सब्जी, दूध सब कुछ खरीद रहे हैं।

इसका सीधा असर सीमावर्ती भारतीय बाजारों और नेपाली उपभोक्ताओं पर पड़ा है। जिससे दोनों ओर छोटे व्यापारियों और आम लोगों की मुश्किलें बढ़ गई हैं। उत्तर प्रदेश और बिहार के नेपाल सीमा से सटे जिलों में अब इस नई नीति का असर साफ दिखाई दे रहा है। नेपाल द्वारा सख्ती बढ़ाए जाने के बाद भारत से नेपाल जाने वाले रोजमर्रा के सम्मान जैसे दाल, चीनी, रिफाइंड, तेल, कपड़े आदि की कीमत से 15 से 20% तक की बढ़ोतरी हो गई है। जबकि बिक्री 15 से 25% तक घट गई है। यूपी का सिद्धार्थ नगर, महाराजगंज, कुशीनगर, सनौली जैसे इलाकों में दुकानों की बिक्री 15 से 25% तक घट गई है। वहीं बिहार के बघार, रक्कसोल और जयनगर जैसे बाजारों में यह गिरावट 50% तक पहुंच गई है। इन बाजारों का बड़ा हिस्सा नेपाली ग्राहकों पर निर्भर है। ऐसे में छोटे दुकानदारों के लिए स्थिति बेहद चुनौतीपूर्ण बन गई है। नेपाल के कई इलाके खासकर वीरगंज और आसपास के क्षेत्रों में इस फैसले के खिलाफ विरोध प्रदर्शन शुरू हो गए हैं। स्थानीय लोगों और संगठनों का कहना है कि नेपाल भारत के बीच सदियों पुराना रोटी बेटी का रिश्ता रहा है। जिसमें सीमाओं के बावजूद लोगों का आना-जाना और व्यापार सहज रहा है।

नई स्टारकास्ट, पुरानी यादें!

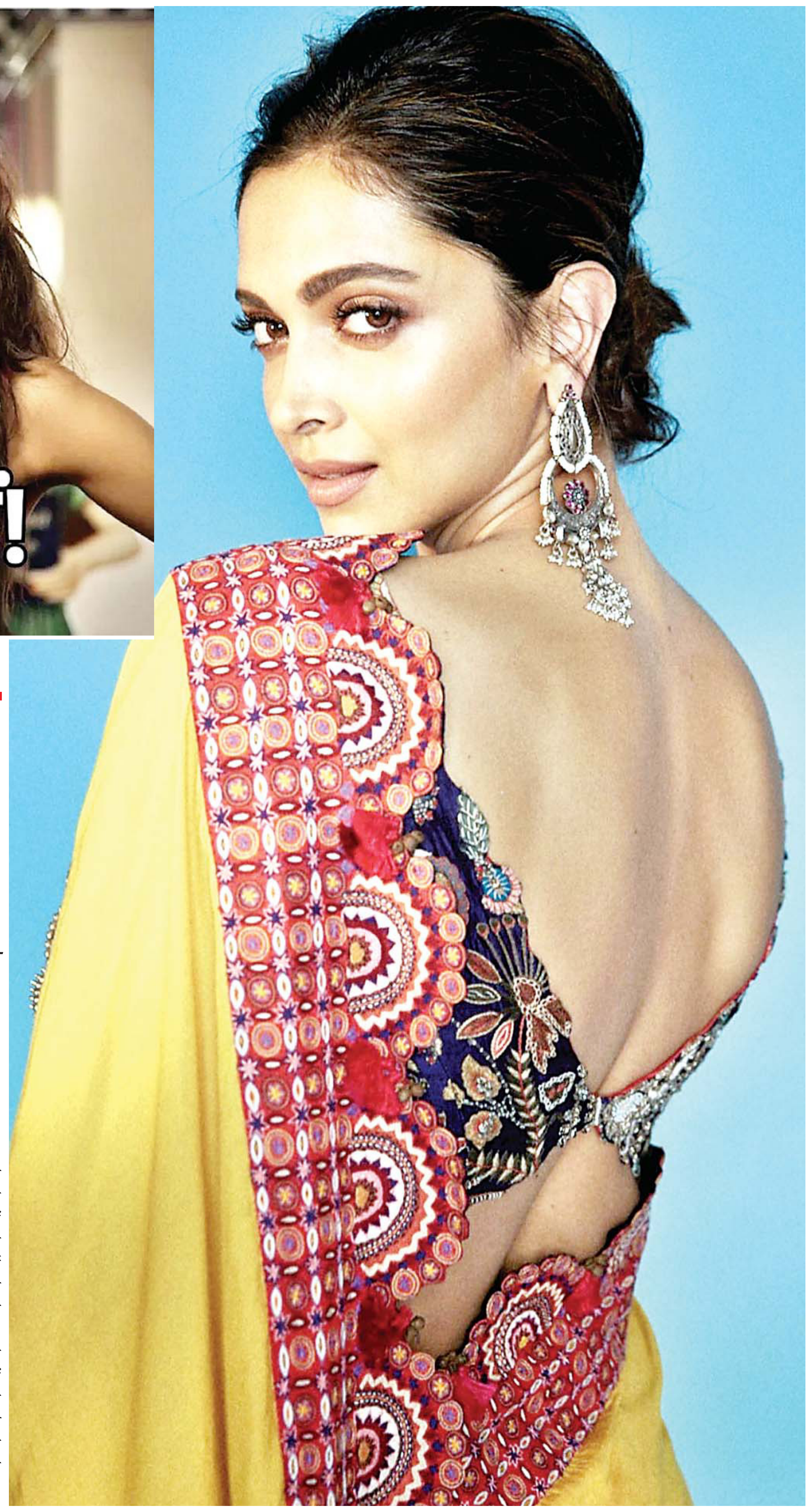

14 साल बाद हो रही है 'वेरोनिका' की वापसी

बॉलीवुड में जब भी किसी आइकॉनिक किरदार की वापसी की खबर आती है, तो फैंस की एक्साइटमेंट सातवें आसमान पर पहुंच जाती है. कुछ ऐसा ही माहौल इन दिनों उस वक्त देखने को मिला, जब खबर सामने आई कि दीपिका पादुकोण एक बार फिर अपने सुपरहिट किरदार वेरोनिका के रूप में नजर आ सकती हैं. जैसे ही ये चर्चा सोशल मीडिया पर शुरू हुई, फैंस के बीच पुरानी यादें ताजा हो गईं और 'कॉकटेल 2' को लेकर एक्साइटमेंट अचानक बढ़ गई.

साल 2012 में आई फिल्म कॉकटेल में दीपिका पादुकोण के किरदरा वेरोनिका को लोगों ने खूब पसंद किया था. फिल्म में सैफ अली खान और डायना पेंटी शामिल थे. अब इतने सालों के बाद फिल्म का सीक्वल बन रहा है, जिसमें शाहिद कपूर, रश्मिका मंदाना और कृति सेनन नजर आने वाले हैं. फिल्म 19 जून 2026 को रिलीज होने वाली है, फिल्म की रिलीज से पहले ही इससे जुड़ी कीस खबर सामने आ रही है, जिसमें बताया जा रहा है कि फिल्म में दीपिका का कैमियो हो सकता है. दरअसल, ऑनलाइन चल रही चर्चाओं के मुताबिक, दीपिका पादुकोण फिल्म में वेरोनिका के तौर पर कैमियो करती दिख सकती हैं. कहा जा रहा है कि उन्हें इस रोल के लिए बार-बार रिक्वेस्ट किया गया और उन्होंने अपने हिस्से की शूटिंग भी पूरी कर ली है. हालांकि, फिल्ममेकर्स की ओर से अभी तक कोई ऑफिशियल कंफर्मेशन नहीं की गई है, लेकिन सिर्फ इस खबर ने ही फैंस के बीच जबरदस्त चर्चा छेड़ दी है.कॉकटेल में दीपिका का वेरोनिका वाला अवतार बेहद बेबाक और स्टाइलिश था, जिसने उनके करियर को नई पहचान दी थी. यही वजह है कि फैंस इस किरदार को आज भी उनकी सबसे यादगार परफॉर्मेंस में गिनते हैं. अब जब 'कॉकटेल 2' की तैयारी चल रही है और नई स्टारकास्ट के साथ फिल्म रिलीज की ओर बढ़ रही है, तो दीपिका की एंट्री की खबर ने फिल्म के प्रति दिलचस्पी और बढ़ा दी है. बताया जा रहा है कि इस फिल्म में नई कहानी और नए किरदार होंगे, लेकिन वेरोनिका की झलक पुरानी फिल्म की याद दिला सकती है. सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म रेडिट की पोस्ट के मुताबिक, दीपिका को कुछ दिन पहले मुंबई में मैडॉक फिल्म्स के ऑफिस में देखा गया था, खबरों के मुताबिक, उन्हें मैडॉक फिल्म्स की अपकमिंग पौराणिक फिल्म 'महावतार' में विकी कौशल के साथ लीड रोल निभाने के लिए कॉन्टैक्ट किया गया था. हालांकि,एक दूसरे पोस्ट में ये दावा किया गया है कि एक्ट्रेस से कॉकटेल के सीक्वल में वेरोनिका के किरदार में नजर आने के लिए रिक्वेस्ट किया गया है, उन्होंने हां कर दी है.सोशल मीडिया पर कई फैंस ने लिखा कि अगर वेरोनिका की वापसी होती है, तो फिल्म देखने का मजा दोगुना हो जाएगा. कुछ यूजर्स ने तो यह भी कहा कि कॉकटेल की असली पहचान ही दीपिका का किरदार था और उनकी मौजूदगी सीक्वल को खास बना सकती है. वहीं कुछ लोगों ने इसे सरप्राइज एंट्री बताया, जो फिल्म के लिए बड़ा हाइलाइट साबित हो सकती है।

जाह्नवी ने साड़ी में दिखाया ग्लैमरस अंदाज

बॉलीवुड एक्ट्रेस जाह्नवी कपूर सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। जाह्नवी कपूर अक्सर अपने ग्लैमरस फोटोज और वीडियोज शेयर करती रहती हैं। जाह्नवी कपूर ने फिर से साड़ी पहनकर एक फोटोशूट करवाया है और उसकी तस्वीरें सोशल मीडिया पर शेयर की हैं। जाह्नवी कपूर की तस्वीरें वायरल होते ही फैंस उनके साड़ी वाले अंदाज पर दिल हार बैठे हैं। जाह्नवी कपूर ने हाल ही में फोटोशूट करवाया है। जाह्नवी कपूर ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर शेयर की हैं। द्यह्यश ऋद्धड्डस्त्र – ष्टद्द1ड्डह्ल्ड्ड ह्द्द2 ऋद्धद्यद्दड्डह्यद्द ष्ठड्डह्लद्द- जूनियर एनटीआर ने मारा यू-टर्न, रिलीज से चंद दि जाह्नवी कपूर ने अपने फोटोशूट के दौरान सेक्विन बीडेड साड़ी पहनी हुई थी। जाह्नवी कपूर इस साड़ी में काफी खूबसूरत नजर आ रही हैं।जाह्नवी कपूर की नई तस्वीरों पर फैंस फिदा हो रहे हैं। इसके साथ ही जाह्नवी कपूर की अदाओं पर फैंस ने जमकर कमेंट किए हैं।जाह्नवी कपूर की तस्वीरों पर एक फैन ने लिखा है, स्वर्ग से धरती पर अप्सरा उतरी। एक फैन ने लिखा है, अप्सरा जितनी खूबसूरत।जाह्नवी कपूर सोशल मीडिया के जरिए अक्सर अपने फैंस को अपनी झलक दिखाती रहती हैं। जाह्नवी कपूर के फैंस अपनी पसंदीदा एक्ट्रेस को देखने के लिए बेताब रहते हैं।जाह्नवी कपूर के काम की बात करें तो उनके पास कई फिल्में हैं। जाह्नवी कपूर फिल्म देवरा, फिल्म मिस्टर एंड मिसेज माही, फिल्म उलझ में नजर आएंगी।जाह्नवी कपूर पिछली बार फिल्म बवाल में वरुण धवन के साथ नजर आई थीं। जाह्नवी कपूर की ये फिल्म ओटीटी प्लेटफॉर्म पर रिलीज हुई थी।

'खलनायक 2': कहानी का पता नहीं, टीजर जारी

साल 1993 में आई संजय दत्त की एक्शन-क्राइम फिल्म 'खलनायक' काफी पसंद की गई थी. कहानी, कलाकारों की एक्टिंग और सुभाष घई का डायरेक्टशन, हर चीज ने लोगों का दिल जीत लिया था. यही वजह थी कि फिल्म सुपरहिट हो गई थी और आज भी संजय के करियर की बेस्ट फिल्मों में 'खलनायक' का नाम लिया जाता है. तमाम फैंस उस समय एक्साइटेड हो गए जब 24 अप्रैल की शाम संजय दत्त ने 'खलनायक 2' की घोषणा कर दी है. उन्होंने एक टीजर वीडियो भी रिलीज कर दिया और बता दिया कि उनकी फिल्म का सीक्वल आने वाला है. फैंस काफी खुश हो गए. लेकिन, जरा ठहरिए. अभी ये फिल्म बहुत शुरुआती स्टेज पर है.अमूमन ऐसा होता है कि जब फिल्म की कहानी के साथ-साथ डायरेक्टर का नाम भी फाइनल हो जाता है, उसके बाद ही घोषणा होती है. पर 'खलनायक 2' के साथ ऐसा नहीं है. जानकारी के अनुसार अभी इस फिल्म की स्क्रिप्ट तैयार नहीं हुई है. डायरेक्ट कौन करेगा, ये भी पता नहीं है. एक्ट्रेस का नाम भी फाइनल नहीं हुआ. अगर कुछ पक्का है तो वो बस संजय दत्त हैं, जो इस फिल्म में एक बार फिर से अपने पुराने किरदार बल्लू के रोल में नजर आएंगे.'खलनायक 2' को 'खलनायक रिटर्न्स' का नाम दिया गया है. टीजर लॉन्चिंग के लिए ब्र24 अप्रैल को मुंबई में एक इवेंट का आयोजन हुआ, जहां सुभाष घई से सवाल हुआ कि क्या वो ही इस फिल्म को डायरेक्ट करेंगे. इसपर उन्होंने 'न' में जवाब दिया. उन्होंने बताया कि वो इस फिल्म को डायरेक्ट नहीं करेंगे. हालांकि, मेंटॉर के तौर पर वो प्रोजेक्ट से जुड़े रहेंगे. संजय दत्त ने 'खलनायक 2' के बारे में बात करते हुए कहा कि वो इस फिल्म को बेस्ट बनाएंगे. अच्छे से अच्छे लोगों के पास जाएंगे, ताकि फिल्म में कोई कमी न रह जाए. उन्होंने ये भी कहा कि वो अपनी पूरी कोशिश करेंगे कि फिल्म की स्क्रिप्ट बेस्ट बने. यानी अब कुछ भी फाइनल नहीं है. एक बार कहानी फाइनल हो जाएगी, उसके बाद ही कास्टिंग का प्रोसेस शुरू हो सकता है. और उसके बाद ये फिल्म फ्लोर पर जाएगी, यानी शूटिंग शुरू होगी. यानी 'खलनायक 2' का इंतजार अभी बहुत लंबा होने वाला है।

कपिल शर्मा शो के लिए ठुकराई फिल्में, अब नहीं मिल रहे रोल, अर्चना पूरन सिंह ने बयां किया दर्द

कॉमेडी शो की हंसी कई बार पर्दे के पीछे कलाकारों की बड़ी कुर्बानियां छुपा देती है. कुछ ऐसा ही एक्सपीरियंस दिग्गज एक्ट्रेस अर्चना पूरन सिंह ने शेयर किया है. लंबे समय से द कपिल शर्मा शो का हिस्सा रहीं अर्चना ने खुलासा किया कि शो की वजह से उन्हें कई फिल्में छोड़नी पड़ीं और अब हालात ऐसे हो गए हैं कि उन्हें नए रोल ऑफर ही नहीं हो रहे. उनका ये बयान सामने आते ही फैंस के बीच चर्चा तेज हो गई है, क्योंकि चार दशक से ज्यादा का करियर रखने वाली एक्ट्रेस के लिए ये सिचुएशन काफी चौंकाने वाली मानी जा रही है.

अर्चना पूरन सिंह ने कई सारी फिल्मों में काम किया है, कुछ में उन्होंने साइड रोल किए हैं, तो कुछ में एक्ट्रेस ने आइटम नंबर भी किया है. लेकिन हाल ही में हुई बातचीत में उन्होंने बताया है कि साल 2019 में कपिल शर्मा शो से जुड़ने के बाद उनका शूटिंग शेड्यूल काफी बिजी रहता था, जिसके चलते वो फिल्म प्रोजेक्ट्स को समय नहीं दे पाती थीं. उन्होंने कहा कि कई बार फिल्मों के ऑफर आए, लेकिन उन्हें लंबे शेड्यूल की वजह से मना करना पड़ा. उन्होंने बताया है कि इसका असर ये हुआ है कि लोग अब उन्हें अप्रोच ही नहीं करते हैं.

अर्चना पूरन सिंह ने हाल ही में न्यूज 18 से बातचीत में बताया कि वो कई सालों से काम नहीं कर पा रही हैं. एक पुराने ऑफर को याद करते हुए उन्होंने कहा, मुझे एक बार कॉल आई थी, जिसकी शूटिंग के लिए मुझे 25 दिनों के लिए स्कॉटलैंड जाना था, लेकिन कपिल के शो की शूटिंग छोड़कर फिल्म कर पाना काफी मुश्किल था. जिसके लिए उन्होंने इस प्रोजेक्ट के लिए मना कर दिया. अर्चना ने कहा कि पहले जब शो टीवी पर आता था, तो हम साल में सौ एपिसोड शूट करते थे. यही वजह थी कि मेरे पास किसी और चीज के लिए वक्त नहीं बचता था.

एक्ट्रेस ने बताया कि उन्होंने कई फिल्मों के लिए मना कर दिया, कि अब लोग ऑफर देने में भी कतराने लगे हैं. लेकिन, जब से ओटीटी प्लेटफॉर्म पर द ग्रेट इंडियन कपिल शो शुरू हुआ है, चीजें काफी बदल गई हैं. उन्होंने बताया कि अब वो लोग सीजन के हिसाब से शूट करते हैं, जिसकी वजह से उन्हें पूरे साल बिजी नहीं रहना होता, तो वो अब दूसरे प्रोजेक्ट में काम कर सकती हैं. हाल ही में उनकी चर्चा फिल्म 'टोस्टर' की वजह से बढ़ी जिसमें उन्होंने काफी अलग रोल निभाया है. इस फिल्म में सान्या मल्होत्रा और राजकुमार राव शामिल हैं।

बक्सर गौरव सम्मान समारोह 2026 की तैयारियां तेज, पंचायत मंत्री को उद्घाटन का न्योता

बक्सर (संवाददाता)।

बक्सर जिले में आगामी 9 मई को आयोजित होने वाले 'बक्सर गौरव सम्मान समारोह 2026' को लेकर तैयारियां अब तेज हो गई हैं। इस भव्य आयोजन को सफल बनाने के लिए आयोजन समिति लगातार सक्रिय है और विभिन्न स्तरों पर तैयारियों को अंतिम रूप दिया जा रहा है। इसी क्रम में शनिवार को समिति के प्रतिनिधियों ने बिहार सरकार के पंचायती राज मंत्री दीपक प्रकाश शिवजी सिंह से शिष्टाचार मुलाकात की और उन्हें समारोह के उद्घाटन के लिए सादर आमंत्रित किया।

इस मुलाकात के दौरान आयोजन समिति ने मंत्री को कार्यक्रम की विस्तृत रूपरेखा, आयोजन की थीम, संभावित अतिथियों और सम्मानित किए जाने वाले व्यक्तित्वों के चयन की प्रक्रिया के बारे में विस्तार से जानकारी दी। समिति के सदस्यों ने बताया कि यह समारोह केवल एक सम्मान कार्यक्रम नहीं, बल्कि जिले की प्रतिभाओं को पहचान देने और उन्हें समाज के सामने प्रेरणास्त्रोत के रूप में प्रस्तुत करने का एक महत्वपूर्ण मंच है।

उन्होंने बताया कि 'बक्सर गौरव सम्मान समारोह 2026' का मुख्य उद्देश्य उन लोगों को सम्मानित करना है, जिन्होंने शिक्षा, स्वास्थ्य, समाज सेवा, खेल, कला, प्रशासन, कृषि और जनकल्याण जैसे विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय और प्रेरणादायक कार्य किए हैं। ऐसे व्यक्तित्वों की पहचान कर उन्हें मंच पर सम्मानित करने से समाज में सकारात्मक ऊर्जा का संचार होगा और नई पीढ़ी को अपने क्षेत्र में बेहतर प्रदर्शन करने की प्रेरणा मिलेगी।

समिति के अनुसार, इस आयोजन के लिए जिले भर से नामांकन आमंत्रित किए जा रहे हैं और एक पारदर्शी प्रक्रिया के तहत चयन किया जाएगा, ताकि वास्तव में योग्य और मेहनती व्यक्तियों को ही सम्मान मिल सके। इसके साथ ही कार्यक्रम में सांस्कृतिक प्रस्तुतियों, प्रेरणादायक वक्तव्यों और स्थानीय प्रतिभाओं के प्रदर्शन को भी शामिल करने की योजना है, जिससे समारोह और अधिक आकर्षक और प्रभावशाली बन सके।

मंत्री दीपक प्रकाश शिवजी सिंह ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि समाज के लिए उत्कृष्ट कार्य करने वाले लोगों को पहचान और सम्मान देना बेहद जरूरी है। उन्होंने कहा कि इस तरह के आयोजन न केवल सम्मानित व्यक्तियों का मनोबल बढ़ाते हैं, बल्कि अन्य लोगों को भी समाजहित में कार्य करने के लिए प्रेरित करते हैं। उन्होंने आयोजन समिति के प्रयासों की प्रशंसा की और कार्यक्रम की सफलता के लिए अपनी शुभकामनाएं दीं। साथ ही उन्होंने आश्वासन दिया कि भविष्य में भी इस प्रकार के रचनात्मक और प्रेरणादायक आयोजनों को प्रोत्साहित किया जाएगा। आयोजकों का मानना है कि यह समारोह बक्सर जिले के लिए एक महत्वपूर्ण अवसर साबित होगा, जहां विभिन्न क्षेत्रों की उत्कृष्ट प्रतिभाओं को एक मंच पर लाकर उनके योगदान को व्यापक पहचान दी जाएगी। इसके माध्यम से जिले की सकारात्मक छवि को राष्ट्रीय स्तर तक पहुंचाने का प्रयास किया जा रहा है। समिति के सदस्यों ने उम्मीद जताई कि 'बक्सर गौरव सम्मान समारोह 2026' न केवल एक यादगार आयोजन होगा, बल्कि यह समाज में सकारात्मक बदलाव लाने और युवाओं को अपने लक्ष्य की ओर अग्रसर होने के लिए प्रेरित करने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

श्री रामेश्वर नाथ मंदिर में 1008 घटों से महादेव का भव्य रुद्राभिषेक

जानकी प्रकट उत्सव के अवसर पर आयोजित धार्मिक अनुष्ठान में उमड़ी श्रद्धालुओं की भारी भीड़

बक्सर (संवाददाता)। बक्सर के रामरेखा घाट स्थित श्री रामेश्वर नाथ मंदिर में शनिवार को देवों के देव महादेव का 18वां महा रुद्राभिषेक भव्य और श्रद्धापूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ। यह आयोजन सर्वजन कल्याण सेवा समिति, सिद्धाश्रम धाम द्वारा किया गया, जिसमें सुबह से ही बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल होने के लिए मंदिर परिसर में जुटने लगे। पूरे मंदिर परिसर में वैदिक मंत्रोच्चार और 'हर हर महादेव' के जयघोष से भक्तिमय वातावरण बना रहा।

मंदिर को विशेष रूप से सजाया गया था और भगवान शिव का आकर्षक श्रृंगार किया गया। श्रद्धालुओं ने विधि-विधान के साथ पूजा-अर्चना कर सुख-समृद्धि और विश्व कल्याण की कामना की। सामूहिक रूप से आयोजित इस धार्मिक अनुष्ठान में सैकड़ों भक्तों की भागीदारी रही।

शास्त्री जी पौराणिक जी महाराज ने जानकारी देते हुए बताया कि 1008 घटों के माध्यम से भगवान श्री रामेश्वर नाथ का दूध, दही, ईख रस, मधुरस, स्वर्ण जल, रजत जल, विभिन्न फल रस और गंगाजल से भव्य अभिषेक किया गया। इस अवसर पर समिति के सदस्य और बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे। उन्होंने बताया कि पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार यह आयोजन माता जानकी के प्रकट उत्सव के शुभ अवसर पर किया गया। वर्ष 2007 से यह परंपरा निरंतर जारी है। हालांकि कोरोना काल में दो वर्षों तक सरकारी निर्देशों के कारण आयोजन बाधित रहा, लेकिन उसके बाद से यह धार्मिक कार्यक्रम नियमित रूप से आयोजित किया जा रहा है। हर वर्ष 18 पुराण कथा सह लक्ष्मी नारायण महायज्ञ से पहले भगवान भोलेनाथ का महा रुद्राभिषेक किया जाता है।

पौराणिक जी महाराज ने बताया कि इस वर्ष 7 जून से 15 जून तक अधिक मास के अवसर पर श्रीमद्भागवत कथा सह लक्ष्मी नारायण महायज्ञ का आयोजन किया जाएगा। 7 जून को जलभरी कार्यक्रम होगा, जबकि 15 जून को पूर्णाहुति और विशाल भंडारे के साथ कार्यक्रम का समापन होगा।

दिनदहाड़े घर में घुसकर हथियार के बल पर लूट, 14 वर्षीय किशोर का अपहरण

बेटे को बचाने गई मां को धक्का देकर किया घायल

बक्सर (संवाददाता)। शहर के चरित्रवन इलाके में शुक्रवार दोपहर हुई एक सनसनीखेज घटना ने पूरे शहर को हिलाकर रख दिया। दिनदहाड़े हथियारबंद बदमाशों ने एक घर में घुसकर लूटपाट की, 14 वर्षीय किशोर का अपहरण कर लिया और विरोध करने पर उसकी मां को गंभीर रूप से घायल कर दिया। घटना के बाद इलाके में दहशत का माहौल है और लोगों में सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ गई है।

पीड़िता पूनम देवी, जो कौटिल्य नगर स्थित किराए के मकान में अपने परिवार के साथ रहती हैं, ने नगर थाना में लिखित आवेदन देकर न्याय की गुहार लगाई है। उन्होंने बताया कि शुक्रवार को करीब 11:45 बजे वह घर के किचन में खाना बना रही थीं। इसी दौरान अचानक तीन लोग हथियार (कट्टा) लेकर उनके घर में जबरन घुस आए। आरोप है कि दुधीपट्टी, सिमरी निवासी रिंटू राय, नारायण राय और संजय राय घर में घुसते ही उनके 14 वर्षीय बेटे पीयूष कुमार राय के साथ मारपीट करने लगे। पीड़िता के अनुसार, बदमाशों ने किशोर को बेरहमी से पीटा, जिससे वह जोर-जोर से चिल्लाने लगा। बेटे की चीख-पुकार सुनकर जब पूनम देवी उसे बचाने दौड़ीं, तो आरोपियों ने उन्हें धक्का देकर जमीन पर गिरा दिया। गिरने से उनके सिर में गंभीर चोट लग गई और वे बेहोश हो गईं। इस दौरान घर में अफरा-तफरी का माहौल बन गया और आसपास के लोग भी कुछ समझ नहीं पाए। पूनम देवी ने बताया कि जब उन्हें होश आया तो उनका बेटा घर में नहीं था और कमरे से करीब 50 हजार रुपये नकद भी गायब थे। उन्हें पूरा शक है कि आरोपियों ने ही घर से पैसे लूटे और उनके बेटे का अपहरण कर अपने साथ ले गए। घटना को और भी भयावह बनाते हुए जाते-जाते आरोपियों ने धमकी दी कि यदि पुलिस में शिकायत की गई तो उनके बेटे की हत्या कर दी जाएगी। घटना के बाद घबराई पीड़िता ने किसी तरह हिम्मत जुटाकर नगर थाना पहुंचकर लिखित शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने मामले को गंभीरता से लेते हुए तुरंत एफआईआर दर्ज कर जांच शुरू कर दी। नगर थाना अध्यक्ष ने बताया कि अपहरण और लूट के इस मामले में सिमरी थाना की मदद ली गई और त्वरित कार्रवाई करते हुए अपहृत किशोर को सुरक्षित बरामद कर लिया गया है।

पुलिस अधिकारियों ने भरोसा दिलाया है कि पूरे मामले की गहन जांच की जा रही है और दोषियों की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी की जा रही है। उन्होंने कहा कि घटना में शामिल किसी भी आरोपी को बख्शा नहीं जाएगा और कानून के तहत कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

संस्कार और संस्कृति के बिना शिक्षा अधूरी: रामलाल सिंह

विद्या भारती की प्रांतीय शैक्षिक परिषद बैठक में आधुनिक तकनीक के साथ भारतीय ज्ञान परंपरा को शिक्षा से जोड़ने पर दिया गया जोर

बक्सर (संवाददाता)। शनिवार को विद्या भारती द्वारा आयोजित प्रांतीय शैक्षिक परिषद एवं मार्गदर्शक बैठक में शिक्षा के साथ भारतीय संस्कारों के महत्व पर जोर दिया गया। भारतीय शिक्षा समिति सह शिशु शिक्षा प्रबंध समिति के प्रदेश सचिव रामलाल सिंह ने कहा कि केवल आधुनिक शिक्षा पर्याप्त नहीं है, बल्कि शिक्षा को संस्कार और भारतीय संस्कृति से जोड़ना भी आवश्यक है। उन्होंने कहा कि आज के समय में जहां आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और आधुनिक तकनीक तेजी से शिक्षा व्यवस्था में शामिल हो रही है, वहीं भारतीय ज्ञान परंपरा का प्रकाश भी विद्यार्थियों तक पहुंचाना उतना ही जरूरी है।

रामलाल सिंह सिविल लाइंस स्थित सरस्वती विद्या मंदिर के अहिल्याबाई सभागार में आयोजित विद्या भारती बिहार प्रदेश की दो दिवसीय प्रांतीय शैक्षिक परिषद एवं मार्गदर्शक बैठक को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि विद्या भारती का उद्देश्य गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करना है, जिसमें आधुनिकता और परंपरा का संतुलन हो। उनका कहना था कि ऐसी शिक्षा व्यवस्था विकसित करनी होगी, जो विद्यार्थियों को तकनीकी रूप से सक्षम बनाने के साथ-साथ नैतिक और सांस्कृतिक मूल्यों से भी जोड़ सके।

कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। इस अवसर पर प्रदेश सचिव रामलाल सिंह के साथ पूर्णकालिक ब्रह्मदेव प्रसाद, गंगा प्रसाद, धीरेन्द्र कुमार, धारणीकांत पांडेय और विद्यालय के प्रधानाचार्य शैलेन्द्र कुमार सिंह सहित अन्य अतिथियों ने संयुक्त रूप से दीप जलाकर कार्यक्रम का उद्घाटन किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रांत कार्यवाह राजेंद्र प्रसाद ने की। कार्यक्रम में आए अतिथियों का स्वागत एवं परिचय विद्यालय के प्रधानाचार्य शैलेन्द्र कुमार सिंह ने कराया।

मंच संचालन विभाग प्रमुख लालबाबू प्रसाद यादव ने किया, जबकि बैठक की प्रस्तावना विभाग निरीक्षक ब्रह्मदेव प्रसाद ने प्रस्तुत की। इस दौरान सभी अतिथियों को अंगवस्त्र देकर सम्मानित किया गया। बैठक के दौरान पिछले सत्र में किए गए कार्यों की विस्तार से समीक्षा की गई। साथ ही आगामी शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए विभिन्न विषयों पर विस्तृत कार्ययोजना तैयार की गई। इसमें शिक्षा की गुणवत्ता, पाठ्यक्रम में नवाचार, शिक्षक प्रशिक्षण, छात्र विकास और सांस्कृतिक गतिविधियों को बढ़ावा देने जैसे मुद्दों पर विशेष चर्चा हुई। इस दो दिवसीय बैठक में दक्षिण बिहार के 17 जिलों से 70 से अधिक विषय प्रमुख और शिक्षा क्षेत्र से जुड़े प्रतिनिधि भाग ले रहे हैं। बैठक का उद्देश्य विभिन्न जिलों में शिक्षा की गुणवत्ता बढ़ाने, समन्वय स्थापित करने और आगामी योजनाओं को प्रभावी ढंग से लागू करने की रणनीति तैयार करना है। कार्यक्रम के अंत में विद्यालय प्रबंध समिति के अध्यक्ष प्रोफेसर महेशदत्त सिंह ने धन्यवाद ज्ञापन किया। इस अवसर पर जिला प्रचारक अभिषेक भारती, वीरेंद्र कुमार, धरनीकांत पांडेय, गंगा चौधरी, परमेश्वर कुमार समेत कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

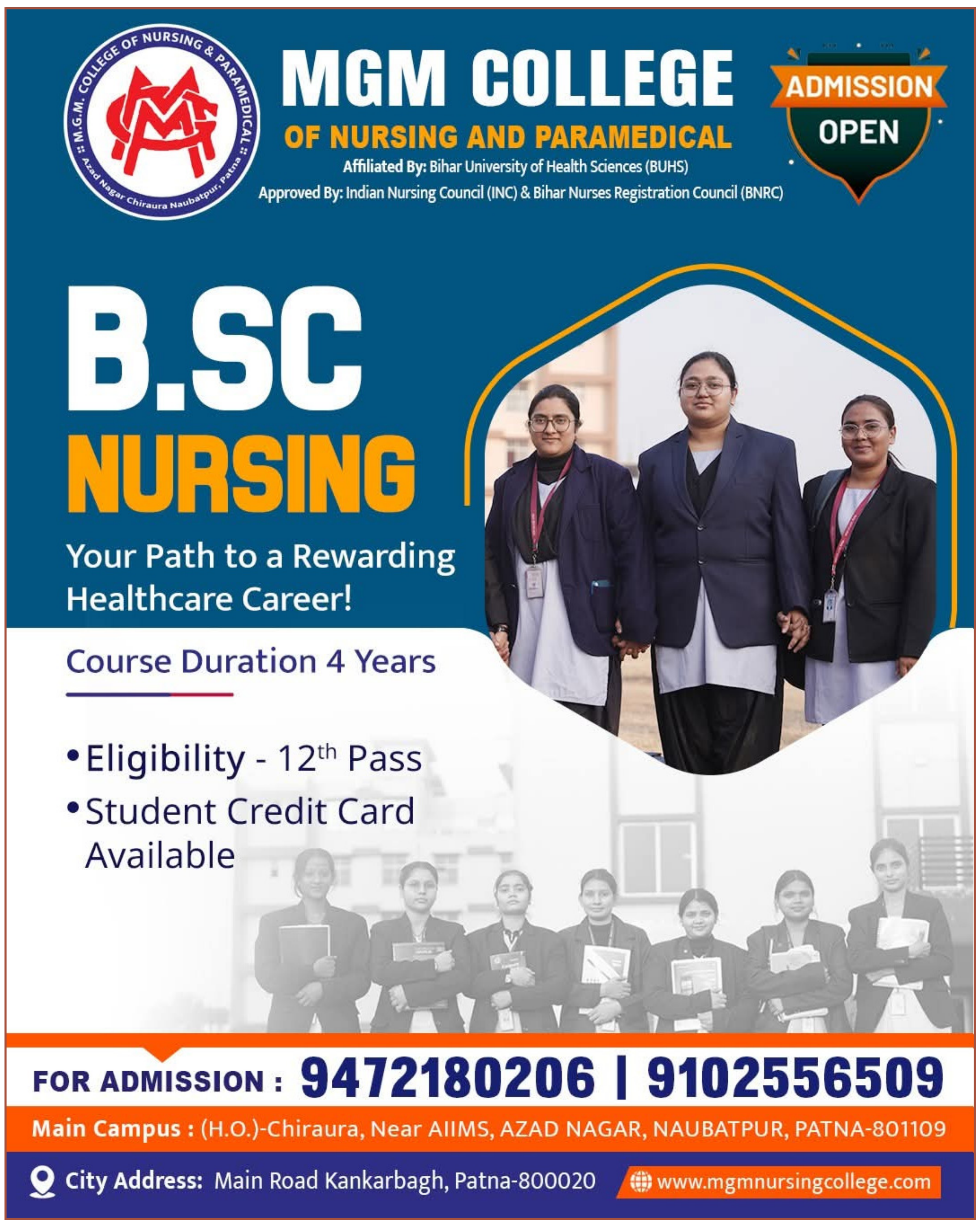

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक मतिउर्रहमान द्वारा अजीमाबाद प्रिंटर्स, आर. सी. एफ./105, ग्राउण्ड फ्लोर, बी. एच. कॉलोनी, भूतनाथ रोड, कंकड़बाग, पटना- 800026 बिहार से मुद्रित एवं अमला टोली, मेन रोड़, बक्सर -802101, बिहार से प्रकाशित, संपादक- मतिउर्रहमान, E-mail:- qalamlok@gmail.com, Regn. No. BIHHIN/2017/72480